INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
Email: info@unicomadvertising.com
www.unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी (केन्द्र सरकार) द्वारा मान्यता प्राप्त–134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

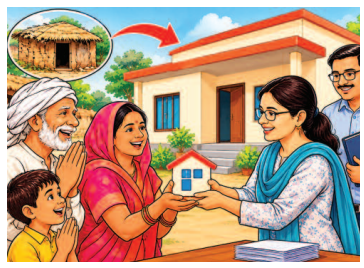
Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
www.uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-250 | सांध्य दैनिक | मथुरा/आगरा संभाग, मंगलवार, 3 नवंबर 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

261 परिवारों के खाते में पहली किस्त,पक्के घर की नींव तैयार

सीएम आवास के 539 पात्रों को मिली मंजूरी, बाकी को किस्त का इंतजार

पीएम आवास ग्रामीण के 500 लाभार्थियों की भी खुली राह



यूनिक समय, मथुरा। वर्षों से झोपड़ी, छप्पर और जर्जर मकानों में गुजर-बसर कर रहे गरीब परिवारों का पक्की छत का सपना अब साकार होने लगा है। मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत जिले में 539 पात्र परिवारों को लाभान्वित किया गया है। इनमें से 261 लाभार्थियों के बैंक खातों में आवास निर्माण की पहली किस्त भी पहुंच चुकी है। वहीं, बाकी पात्र परिवारों को भी किस्त मिलने का इंतजार है। इसके अलावा प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत वर्ष 2026-27 में 500 लाभार्थियों को ऑनलाइन स्वीकृति दी जा रही है।

जिला ग्राम्य विकास अभिकरण के परियोजना निदेशक एके उपाध्याय ने बताया कि मुख्यमंत्री आवास योजना में बेघर और जर्जर मकानों में रहने वाले परिवारों को प्राथमिकता दी जा रही है। इनमें दिव्यांगजन, बंजारा, पति की मृत्यु के बाद निराश्रित महिलाएं (18 से 50 वर्ष) और सपेरा जाति के पात्र परिवार शामिल हैं। योजना के तहत अब तक 1508 लाभार्थियों को आवास उपलब्ध कराया जा चुका है।

मुख्य विकास अधिकारी डॉ. पूजा गुप्ता ने बताया कि सीएम आवास योजना के 539 पात्रों का चयन किया गया है। इनमें 261 के खातों में पहली किस्त भेज दी गई है। वहीं, पीएम आवास ग्रामीण के लिए चयनित 500 लाभार्थियों को ऑनलाइन स्वीकृति देने की प्रक्रिया चल रही है।

तीन किस्तों में मिलते हैं 1.20 लाख रुपये

आवास निर्माण के लिए लाभार्थियों को तीन किस्तों में कुल 1.20 लाख रुपये दिए जाते हैं। पहली किस्त में 40 हजार, दूसरी में 70 हजार और तीसरी किस्त में 10 हजार रुपये मिलते हैं। इसके अतिरिक्त मनरेगा के तहत 90 दिन की मजदूरी और स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय निर्माण की सुविधा भी दी जाती है।

70 वार्डों की बदलेगी सूरत हर वार्ड में खर्च होंगे 50 लाख



बोर्ड बैठक में विकास के मुद्दों को लेकर हंगामा और नारेबाजी करते पार्षदगण।

विकास के मुद्दों पर सत्ता–विपक्ष एकजुट 34 प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित

महापौर नदारद, राधिका धाम पार्क अब होगा महाराजा अग्रसेन पार्क

सफाई कर्मचारियों की भर्ती का रास्ता साफ

यूनिक समय, मथुरा। नगर निगम की बोर्ड बैठक मंगलवार को विकास के मुद्दों के साथ हंगामे और महापौर की गैरमौजूदगी को लेकर चर्चा में रही। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही महापौर विनोद अग्रवाल के अनुपस्थित रहने पर पार्षदों ने नाराजगी जताई। सवालों और नारों के बीच पार्षदों ने लंबित विकास कार्यों को लेकर नगर निगम प्रशासन को घेरा। खास बात यह रही कि शहर के विकास से जुड़े मुद्दों पर सत्ता पक्ष और विपक्ष एकजुट नजर आए। तीखी बहस और हंगामे के बीच 34 प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए। इनमें सभी 70 वार्डों में 50-50 लाख रुपये के विकास कार्य कराने और सफाई कर्मचारियों की भर्ती का प्रस्ताव शामिल है।

बैठक पार्षदों के साथ विचार-विमर्श के लिए बुलाई गई थी, लेकिन बाद में इसे बोर्ड बैठक का स्वरूप दे दिया गया।

बैठक शुरू होते ही पार्षदों ने महापौर की अनुपस्थिति पर सवाल उठाए। उनका कहना था कि शहर के विकास और जनसमस्याओं से जुड़े महत्वपूर्ण फैसलों के दौरान महापौर की मौजूदगी जरूरी थी। हंगामे के बीच उपसभापति मुकेश सारस्वत ने अध्यक्षता करते हुए सदन की कार्यवाही संभाली।

नगर आयुक्त ओजस्वी राज भी मौजूद रहे। बैठक में पार्षदों की मांग पर सभी 70 वार्डों में 50–50 लाख रुपये के विकास कार्य कराने पर सहमति बनी। इसके अलावा डूडा के माध्यम से 500 सफाई कर्मचारियों की भर्ती का प्रस्ताव भी पारित किया गया। इसे शासन की अनुमति के लिए भेजा जाएगा। मंजूरी मिलने के बाद भर्ती प्रक्रिया शुरू होगी।



नगर निगम की बोर्ड बैठक में बैठे पार्षदगण।

मीट की दुकानों को लेकर भाजपा–सपा पार्षदों में बहस

सौंख रोड पर मीट की दुकानों का मुद्दा उठने पर भाजपा और सपा के पार्षदों के बीच तीखी बहस हुई। महोली रोड के पार्षद कुलदीप पाठक ने मीट की दुकानों को लेकर सवाल उठाया। इस पर वार्ड-22 के पार्षद प्रतिनिधि अब्दुल मलिक ने कहा कि मीट का कारोबार बंद होने से कई लोग बेरोजगार हो जाएंगे। दुकानों को हटाया जाता है तो कारोबारियों को शहर से बाहर उचित स्थान उपलब्ध कराया जाए। पार्षदों ने सभी वार्डों में बजट का पारदर्शी और समान तरीके से इस्तेमाल करने की मांग की। नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने पार्षदों को आश्वस्त किया कि किसी वार्ड के साथ भेदभाव नहीं होगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को वार्डों में उठाई गई समस्याओं का शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए।

लंबित कार्यों पर पार्षदों ने घेरा प्रशासन

पार्षदों ने सड़क, नाली, पेयजल और स्ट्रीट लाइट जैसी बुनियादी सुविधाओं से जुड़े लंबित कार्यों का मुद्दा उठाया। उनका कहना था कि प्रस्ताव पारित होने के बावजूद कई वार्डों में काम शुरू नहीं हुए हैं। जनता उनसे जवाब मांग रही है। पार्षदों ने चेतावनी दी कि विकास कार्यों में देरी और वार्डों के साथ भेदभाव बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पार्षद मुन्ना मलिक ने वार्ड-31 में विकास कार्यों की अनदेखी का मुद्दा उठाया। उन्होंने काम शुरू नहीं करने वाले ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई और वार्ड में सफाई कर्मचारियों की तैनाती की मांग की। मीट बिक्री पर प्रतिबंध का विरोध करते हुए कारोबारियों के लिए व्यवस्थित वेंडिंग जोन बनाने की बात भी रखी। वहीं, राधिका धाम पार्क का नाम बदलकर महाराजा अग्रसेन पार्क करने का प्रस्ताव पारित किया गया।

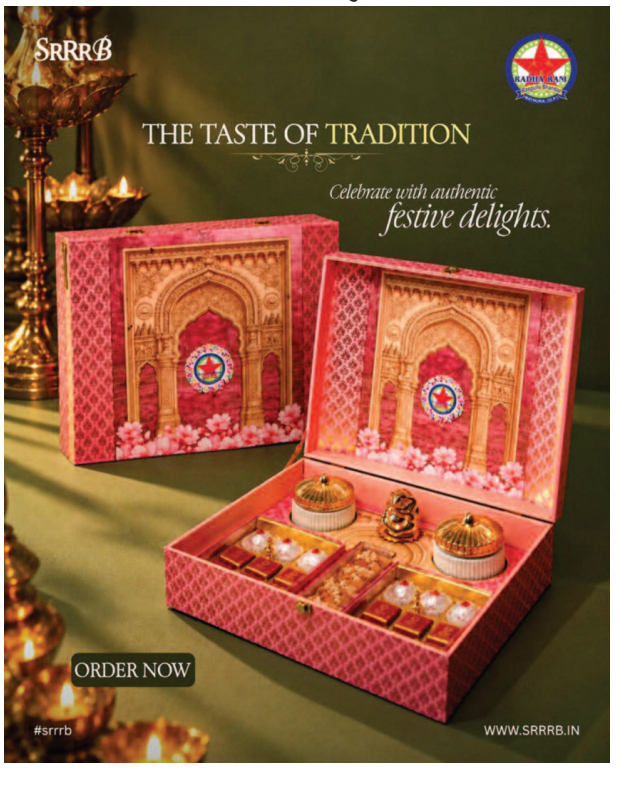
इंचार्ज प्रधानाध्यापक तैनाती की जांच करेगी तीन सदस्यीय समिति

सीडीओ ने गठित की जांच कमेटी, सहमति पत्र से लेकर रिक्त पदों और शहरी तैनाती तक की होगी पड़ताल

यूनिक समय, मथुरा। जिले में सहायक अध्यापकों को इंचार्ज प्रधानाध्यापक के पद पर तैनात किए जाने के मामलों ने तूल पकड़ लिया है। यूनिक समय में समाचार प्रकाशित होने और शिकायतों के बाद अब इन नियुक्तियों की जांच कराई जाएगी। सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता ने डीएम के अनुमोदन पर तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की है। समिति को शासनादेशों और विभागीय नियमों के आधार पर तैनाती की पूरी प्रक्रिया की पड़ताल कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए हैं।

सीडीओ कार्यालय से जारी आदेश के अनुसार, शासनादेश और उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद के निर्देशों के क्रम में विशेष अपील संख्या 652/2024 में पारित 30 अप्रैल 2025 के आदेश के आधार पर जिले में वरिष्ठता सूची के अनुसार सहायक अध्यापकों को इंचार्ज प्रधानाध्यापक बनाया गया था। इस संबंध में बीएसए कार्यालय से विभिन्न आदेश भी जारी किए गए थे। अब इन आदेशों के तहत की गई तैनाती पर शिकायतें मिलने के बाद जांच का फैसला लिया गया है।

जांच के लिए गठित समिति में परियोजना निदेशक, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण को अध्यक्ष बनाया गया है। उप प्राचार्य, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) और वरिष्ठ कोषाधिकारी को सदस्य नामित किया गया है। समिति को बेसिक शिक्षा विभाग के नियमों और शासनादेशों का अध्ययन कर प्रत्येक पहलू की जांच करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। आदेश में संबंधित सहायक अध्यापकों को छह नवंबर को सुबह 11 बजे तक अपनी जांच आख्या और स्पष्ट लिखित पक्ष सीडीओ कार्यालय में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ सहमति पत्र, नियुक्ति आदेशों की मूल पत्रावली, संबंधित अभिलेख और कार्यालय का डिस्पैच रजिस्टर भी प्रस्तुत करना होगा। समिति इन दस्तावेजों के आधार पर तैनाती की प्रक्रिया और नियमों के अनुपालन की जांच करेगी।



बोर्ड परीक्षा केंद्रों की सूची पर फिर चल सकती है प्रशासन की कैंची

यूनिक समय, मथुरा। माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा के लिए निर्धारित केंद्रों की सूची एक बार फिर जांच के घेरे में आ गई है। विद्यालयों की ओर से दर्ज कराई गई आपत्तियों के बाद प्रशासन ने सभी 126 परीक्षा केंद्रों का दोबारा स्थलीय सत्यापन कराने का फैसला किया है। निरीक्षण में व्यवस्थाओं की कमी, मानकों की अनदेखी या शिकायतों की पुष्टि होने पर संबंधित विद्यालयों का केंद्र निरस्त किया जा सकता है। इससे केंद्र बने विद्यालयों में हलचल तेज हो गई है। जिले में इस बार बोर्ड परीक्षा के लिए 126 विद्यालयों को केंद्र निर्धारित किया गया है। इनमें 12 राजकीय, 66 सहायता प्राप्त और 48 वित्तविहीन विद्यालय शामिल हैं। पिछले वर्ष 119 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। इस लिहाज से इस बार सात केंद्र अधिक निर्धारित किए गए हैं। हालांकि, आपत्तियों पर सुनवाई और दोबारा सत्यापन के बाद केंद्रों की संख्या में बदलाव संभव है।

126 केंद्रों का होगा दोबारा स्थलीय सत्यापन खामियां मिलने पर निरस्तीकरण तय

केंद्र निर्धारण की सूची जारी होने के बाद कई विद्यालयों ने विभाग के समक्ष आपत्तियां और प्रत्यावेदन प्रस्तुत किए थे। किसी ने केंद्र बनाए जाने पर सवाल उठाए तो किसी ने निर्धारित केंद्रों की व्यवस्थाओं को लेकर शिकायत दर्ज कराई। इन आपत्तियों को गंभीरता से लेते हुए विभाग ने कागजी रिपोर्ट के बजाय मौके पर पहुंचकर वास्तविक स्थिति जांचने का निर्णय लिया है।

जिला विद्यालय निरीक्षक राघवेंद्र सिंह ने बताया कि शासन की ओर से निर्धारित सभी परीक्षा केंद्रों का स्थलीय निरीक्षण कराया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान किसी केंद्र पर खामी या शिकायत की पुष्टि होने पर नियमानुसार उसे निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी। दोबारा सत्यापन के बाद ही केंद्रों की अंतिम स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।



दीपावली नजदीक, जिले में अब तक नौ जगह सजेगा पटाखा बाजार

शहर से देहात तक स्थान चिन्हित, अन्य क्षेत्रों से प्रशासन को रिपोर्ट का इंतजार

यूनिक समय, मथुरा। दीपावली का त्योहार नजदीक आते ही जिले में पटाखा बाजार लगाने की तैयारियां तेज हो गई हैं। हालांकि, अभी तक पटाखों की बिक्री के लिए केवल नौ स्थान ही चिन्हित हो पाए हैं। शहर से लेकर देहात तक इन स्थानों पर दुकानें लगाने की तैयारी है, जबकि अन्य क्षेत्रों में बाजार के लिए जगह तय करने की प्रक्रिया जारी है।

मिली जानकारी के अनुसार, शहर में महाविद्या कॉलोनी और एनसीसी ग्राउंड के अलावा वृंदावन, मांट, शेरगढ़ और नौहझील सहित जिले में कुल नौ स्थानों की स्थानीय रिपोर्ट प्रशासन को मिल चुकी है। इन स्थानों पर पटाखा बाजार लगाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है।

वहीं, जिले के अन्य क्षेत्रों से भी पटाखा बाजार के लिए स्थानों के प्रस्ताव मांगे गए हैं। प्रशासन ने संबंधित एसडीएम, सीओ और स्थानीय थानों से रिपोर्ट तलब की है। अधिकारियों की संयुक्त रिपोर्ट मिलने के बाद ही नए स्थानों को चिन्हित कर बाजार लगाने की अनुमति देने पर निर्णय लिया जाएगा।

मतदाता बनने को अब दफ्तरों के चक्कर नहीं, घर बैठे करें आवेदन



एक जनवरी 2027 को 18 वर्ष पूरे करने वाले युवाओं को भी मिलेगा मौका ऑनलाइन फॉर्म-6 भर कर जुड़वाएं नाम

यूनिक समय, मथुरा। मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए अब बीएलओ या मतदाता पंजीकरण केंद्रों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं होगी। भारत निर्वाचन आयोग ने विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के तहत पात्र नागरिकों को घर बैठे ऑनलाइन आवेदन की सुविधा दी है। मोबाइल, लैपटॉप या कंप्यूटर के जरिए आयोग के आधिकारिक पोर्टल पर जाकर मतदाता बनने के लिए पंजीकरण कराया जा सकता है।

इससे पहली बार मतदाता बनने जा रहे युवाओं को भी सूची में नाम शामिल कराने का अवसर मिलेगा।

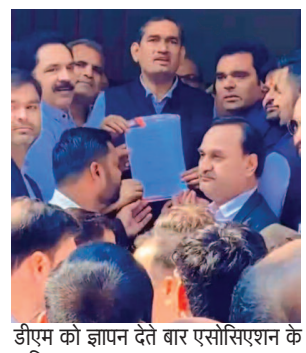
एसआईआर के बाद शुरू हुए पुनरीक्षण अभियान में ऐसे युवा भी आवेदन कर सकेंगे, जो एक जनवरी 2027 को 18 वर्ष की आयु पूरी कर रहे हैं। यानी नए साल के पहले दिन 18 वर्ष के होने वाले युवाओं को मताधिकार की दहलीज तक पहुंचने का मौका मिलेगा। पात्र नागरिक ऑनलाइन फॉर्म-6 भरकर मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। आवेदन के लिए आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध सुविधा का इस्तेमाल करना होगा।

ऐसे घर बैठे जुड़वाएं मतदाता सूची में नाम

ऑनलाइन आवेदन के लिए भारत निर्वाचन आयोग के पोर्टल पर जाकर मोबाइल नंबर के माध्यम से पंजीकरण अथवा लॉगिन करना होगा। इसके बाद पहली बार मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए फॉर्म-6 का चयन करें। आवेदन में नाम, जन्मतिथि, लिंग, माता-पिता अथवा पति- पत्नी का विवरण और पूरा पता दर्ज करना होगा। इसके साथ पासपोर्ट आकार का फोटो और आयु एवं निवास से संबंधित जरूरी दस्तावेज अपलोड करने होंगे। सभी जानकारियों की जांच करने के बाद आवेदन सबमिट कर दें। आवेदन पूरा होने पर मिलने वाले रेफरेंस नंबर को सुरक्षित रखना जरूरी है। इसी नंबर के जरिए पोर्टल पर ट्रैक एप्लीकेशन स्टेटस विकल्प से आवेदन की स्थिति भी देखी जा सकती है।

अधिवक्ता की हत्या के विरोध में वकीलों ने छोड़ा न्यायिक कार्य

बार एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री के नाम डीएम को सौंपा ज्ञापन एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग


डीएम को ज्ञापन देते बार एसोसिएशन के अधिवक्ता।

यूनिक समय, मथुरा। कालपी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष गयादीन अहिरवार एडवोकेट की हत्या के विरोध में मंगलवार को बार एसोसिएशन के अधिवक्ता न्यायिक कार्य से विरत रहे। अधिवक्ताओं ने घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी और अधिवक्ताओं की सुरक्षा के लिए एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू कराने की मांग उठाई।

बार एसोसिएशन मथुरा के अध्यक्ष राघवेन्द्र सिंह एडवोकेट के निर्देश पर अधिवक्ता बार एसोसिएशन कार्यालय पर एकत्रित हुए। यहां से सभी अधिवक्ताओं ने डीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि इस घटना से अधिवक्ता समाज में भारी रोष और असुरक्षा की भावना व्याप्त है। हत्या में शामिल सभी आरोपियों और षड्यंत्रकारियों को शीघ्र गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए।

अधिवक्ताओं ने उच्च स्तर पर एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने पूर्ण सहयोग की मांग करते हुए कहा कि इससे अधिवक्ता निर्भीक होकर स्वतंत्रता और निष्ठा के साथ न्यायिक कार्य कर सकेंगे। सभा की अध्यक्षता अध्यक्ष राघवेन्द्र सिंह एडवोकेट ने की, संचालन सचिव मनोज कुमार शर्मा एडवोकेट ने किया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष राजकृष्ण भारद्वाज, संयुक्त सचिव सुरेन्द्र कुमार शर्मा, ऑडीटर देवकीनन्दन शर्मा और कोषाध्यक्ष विनोद कुमार शर्मा, योगेश गौतम, त्रिलोकचंद शर्मा, भानुप्रकाश गौतम, मनीष बंसल, शाहनवाज खांन, सौरभ गुप्ता, डॉ. अवधेश सिंह, सुनील ठेनुआं, बृजेन्द्र सिंह, सुनील यादव, हरीश पचौरी, सोनू चतुर्वेदी, बृजेन्द्र चौधरी, विनय शर्मा, सुमित गुप्ता, हेमन्त बघेल और इंजी. महावीर सिंह सहित अन्य अधिवक्ता मौजूद रहे।

पुरानी रंजिश के चलते घर में घुसकर परिवार पर हमला, कई लोग घायल

यूनिक समय, वृंदावन। पुरानी रंजिश के चलते एक परिवार पर लाठी-डंडे, सरिया और धारदार हथियारों से हमला करने का मामला सामने आया है। मामले में कांशीराम कॉलोनी निवासी बानो ने कोतवाली में नामजद आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। बानो के अनुसार, पड़ोसी यूनिस और उसके परिवार से काफी समय से रंजिश चली आ रही है। आरोप है कि 25 अगस्त की शाम करीब आठ बजे आरोपियों ने उनके पुत्र राज के साथ गाली-गलौज और मारपीट की, जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद 26 अगस्त को सुबह जब बानो अपने बच्चों के साथ घर पर थीं, तभी आरोपी लाठी-डंडे, सरिया, लोहे के पाइप, कुल्हाड़ी और अन्य हथियार लेकर घर में घुस आए। हमलावरों ने परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट की और घर का सामान भी तोड़ दिया। हमले में बानो, उनके पुत्र राज, सोहिल रफीक, शोभा और अन्य परिजनों को चोटें आईं। पुलिस ने फिरदोश, बेबो, यूनिस मोहम्मद, गोरा, लोका, खीरा, राजेश, देवो, नैतिक, आशू और पांच अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

'बदलेगा यूपी, आएंगे अखिलेश' पोस्टर से मथुरा में सियासी चर्चा

अयोध्या और काशी के साथ मथुरा का जिक्र सपा नेता लखन गुर्जर ने लगवाया पोस्टर



यूनिक समय, मथुरा। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले मथुरा-वृंदावन में समाजवादी पार्टी के नेता लखन गुर्जर रांकोली की ओर से लगवाया गया पोस्टर राजनीतिक चर्चा का विषय बना हुआ है। पोस्टर में अयोध्या, काशी और मथुरा का उल्लेख करते हुए सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के समर्थन में संदेश दिया गया है।

पोस्टर पर लिखा है, 'अयोध्या ने राह दिखाई, काशी ने साथ निभाया, अब मथुरा ने भी समाजवादी रंग दिखाया। बदलेगा उत्तर प्रदेश, आएंगे श्री अखिलेश।' इस संदेश के जरिए सपा नेता ने पार्टी के प्रति अपना समर्थन जाहिर किया है। एमएलसी चुनाव के परिणामों के बाद प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियों और चर्चाओं के बीच यह पोस्टर भी लोगों का ध्यान खींच रहा है। फिलहाल मथुरा-वृंदावन क्षेत्र में इसके संदेश को लेकर सियासी चर्चाएं हो रही हैं।

दीवाली से पहले पटाखों पर महंगाई का धमाका



दीपावली से पहले दुकान पर पटाखे खरीदते लोग।

नए नाम और डिजाइनदार पटाखों की मांग

पटाखा कारोबारी राहुल बंसल (श्री जी ट्रेडर्स) ने बताया कि इस बार बाजार में पारंपरिक आतिशबाजी के साथ कई नए नाम और डिजाइन वाले पटाखे भी उपलब्ध हैं। घुमर फुलझड़ी, पॉपकॉर्न पेंसिल, बुमराह लट्टू स्पिनर और सोडा फाउंटेन बच्चों और युवाओं को आकर्षित कर रहे हैं। वहीं, छोटे पटाखे चटरपटर की भी मांग है। इसकी कीमत करीब 60 रुपये बताई गई है।

यूनिक समय, मथुरा। दीवाली में अब महज चार दिन शेष हैं। बाजारों में पटाखों की दुकानें सज गई हैं और खरीदारी के लिए ग्राहकों की आवाजाही बढ़ने लगी है, लेकिन इस बार आतिशबाजी का शौक जेब पर भारी पड़ने वाला है। पिछले साल के मुकाबले पटाखों की कीमतों में 25 से 30 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है। महंगाई के चलते ग्राहकों को इस बार आतिशबाजी के लिए अधिक बजट खर्च करना पड़ रहा है।

जेब पर 30% महंगाई की मार

पैकिंग सामग्री और परिवहन महंगा होने से बढ़ी कीमतें, नए डिजाइनदार पटाखे बच्चों को लुभा रहे

कारोबारियों के मुताबिक, पटाखों की कीमतें बढ़ने के पीछे कच्चे माल, पैकिंग सामग्री और परिवहन की बढ़ी लागत प्रमुख वजह है। पैकिंग में इस्तेमाल होने वाले केमिकल महंगे होने के साथ ट्रांसपोर्टेशन का खर्च भी बढ़ा है।

लागत में इजाफे का असर कंपनियों की कीमतों पर पड़ा है, जिसका बोझ अब ग्राहकों की जेब पर पड़ रहा है।

दीवाली नजदीक आने के साथ पटाखा बाजार में रौनक बढ़ रही है। बच्चे रंग-बिरंगे और नए डिजाइन के पटाखों को लेकर उत्साहित हैं। दुकानदारों को उम्मीद है कि त्योहार से एक-दो दिन पहले खरीदारी और तेज होगी। हालांकि, बढ़ी कीमतों के चलते ग्राहक अपने बजट के हिसाब से ही आतिशबाजी खरीद रहे हैं।

सरकारी जमीन पर दुकानें खड़ीं नोटिस चस्पा कर भूला महकमा

यूनिक समय, मथुरा। सरकारी जमीन पर कथित कब्जे और अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई के दावों की हकीकत ग्राम बरारी में सवालों के घेरे में है। लोक निर्माण विभाग की भूमि पर पक्की दुकानें खड़ी होने और उनके बेदखली नोटिस चस्पा किए जाने के बावजूद निर्माण नहीं हटने का आरोप लगाया गया है।

शिकायतकर्ता ज्ञानेन्द्र कुमार ने सीएम, डीएम और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को पत्र भेजकर भू-माफियाओं और जिम्मेदार अधिकारियों की कथित मिलीभगत की जांच कराने की मांग की है। उन्होंने बताया कि गांव के मुख्य मार्ग किनारे स्थित लोक निर्माण विभाग की सरकारी जमीन पर दबंगों ने कब्जा कर दुकानें बना ली हैं। सरकारी भूमि को निजी संपत्ति दर्शाकर कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर बैनामा किए गए हैं। पूर्व प्रधान दौजीराम, स्व. मोतीलाल सहित अन्य लोगों पर जमीन की अवैध खरीद-बिक्री में शामिल होने का आरोप लगाया है। वर्तमान में आकाश दीक्षित, विजयपाल यादव, मोहनलाल यादव और मुकेश पर दुकानों पर कब्जा कर संचालन करने का आरोप है।



गांव बरारी में लोक निर्माण विभाग की जमीन पर बनाई गई दुकानें।

आरोप है कि अवैध निर्माण के चलते उनके मकान का मुख्य रास्ता बाधित हो गया है। गांव के प्राचीन सार्वजनिक मंदिर के रोशनदान, खिड़कियों और छतों से पानी की निकासी का रास्ता भी बंद कर दिया गया है। ज्ञानेन्द्र का दावा है कि प्रशासन और लोक निर्माण विभाग की ओर से कई बार मौके पर पैमाइश और चिन्हांकन किया गया। अतिक्रमण की पुष्टि होने पर संबंधित लोगों को बेदखली के नोटिस भी दिए गए, लेकिन आज तक कार्रवाई नहीं हुई।

बरारी में पीडब्ल्यूडी की भूमि पर कब्जे का आरोप, रास्ता और मंदिर की जल निकासी भी बंद

लंबे समय से शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं होने पर प्रशासन की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल



त्योहारों से पहले एसएसपी ने बाजारों में किया पैदल गश्त



त्योहारों से पहले पुलिस अधिकारियों के साथ शहर में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते एसएसपी श्लोक कुमार।

यूनिक समय, मथुरा। त्योहारों के मद्देनजर पुलिस ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। एसएसपी श्लोक कुमार ने पुलिस अधिकारियों के साथ प्रमुख बाजारों में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान चौराहों पर संदिग्धों की चेकिंग भी कराई गई। एसएसपी ने सर्राफा कारोबारियों को दुकानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने और उन्हें 24 घंटे चालू रखने के निर्देश दिए। साथ ही संवेदनशील इलाकों में पुलिस पिकेट बढ़ाने और नियमित गश्त करने को कहा।

एसएसपी श्लोक कुमार ने एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह और सीओ सिटी आशना चौधरी के साथ बीती रात चौक बाजार (सर्राफा मार्केट), लाल दरवाजा और होली गेट सहित प्रमुख बाजारों में पैदल गश्त की। उन्होंने बाजारों और आसपास के क्षेत्रों की स्थिति देखी, चौराहों पर संदिग्ध नजर आने वाले लोगों की चेकिंग कराई।

सर्राफा कारोबारियों को सीसीटीवी कैमरे 24 घंटे चालू रखने की हिदायत

संवेदनशील इलाकों में बढ़ेगी पुलिस पिकेट संदिग्धों पर रहेगी नजर

इस दौरान अधिकारियों ने व्यापारियों और आमजन से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली। एसएसपी ने कहा कि दुकानों पर सीसीटीवी कैमरे लगे होने और 24 घंटे चालू रहने से अपराधियों पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। एसएसपी ने आमजन से त्योहारों के दौरान शांति और सौहार्द बनाए रखने तथा किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु की जानकारी तत्काल पुलिस को देने की अपील की। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करने को कहा।

कार के पहिए में फंसी स्कूटी को आधा किलोमीटर तक घसीटा

नवादा के समीप कई लोगों को लिया चपेट में, पेट्रोल पंप पर पकड़ा चालक

घायलों का चल रहा उपचार, पुलिस ने दोनों वाहन चौकी पर खड़े कराए

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग पर नवादा के समीप तेज रफ्तार कार ने कई लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद एक स्कूटी कार के अगले पहिए में फंस गई, लेकिन चालक ने कार रोकने के बजाय उसे करीब आधा किलोमीटर तक घसीट दिया। स्कूटी को सड़क पर घिसटते देख राहगीरों में अफरा–तफरी मच गई। लोगों ने पीछा कर रिफाइनरी थाना क्षेत्र स्थित उपाध्याय पेट्रोल पंप के समीप कार को रुकवा लिया।



पेट्रोल पंप के समीप रोकी गई कार के अगले पहिए में फंसी क्षतिग्रस्त स्कूटी को देखते लोग।

बताया गया कि कार की चपेट में आने से कई लोग घायल हो गए। हादसे के दौरान स्कूटी कार के अगले पहिए में फंस गई थी। चालक उसे घसीटता हुआ आगे बढ़ता रहा। मौके पर जुटे लोगों ने कार को रोककर चालक को घेर लिया। घटना की जानकारी मिलने पर बालाजीपुरम चौकी प्रभारी मांगे राम मौके पर पहुंचे। उन्होंने दोनों वाहनों को चौकी पर खड़ा करा दिया। हादसे में स्कूटी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घायलों का उपचार चल रहा है। चौकी प्रभारी मांगे राम ने बताया कि दुर्घटना में घायल हुए लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है। तहरीर मिलने पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

घर में घुसकर महिला और बेटी के साथ मारपीट

यूनिक समय, वृंदावन। कोतवाली क्षेत्र के राधानिवास गंज मोहल्ले में घर में घुसकर महिला और उसकी बेटी के साथ मारपीट करने, घर में तोड़फोड़ कर आभूषण लूटने का मामला सामने आया है। मामले में बबीता निवासी राधानिवास गंज ने नौ लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के अनुसार, 14 सितंबर को दोपहर करीब एक बजे बबीता अपने घर पर घरेलू कार्य कर रही थीं। तभी रामदास, पदम, अर्जुन, विशाल, दाऊ भावना, साधना, माया और कश्मीरी लाठी-डंडे, हथौड़ी और ईंट-पत्थर लेकर घर में घुस आए। आरोप है कि आरोपियों ने गाली–गलौज करते हुए मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। इस दौरान बबीता की बेटी के साथ भी मारपीट की गई।

विशाल पर बेटी को गलत नीयत से पकड़ने का आरोप है। मारपीट में बेटी के सिर पर गंभीर चोट आई और 14 टांके लगे। आरोपियों पर घर से सोने की चेन, कुंडल, मंगलसूत्र और अंगूठी ले जाने का भी आरोप है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

राजीव भवन में डीएम का औचक निरीक्षण, लापरवाही पर दी चेतावनी

यूनिक समय, मथुरा। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने मंगलवार को राजीव भवन स्थित विभिन्न कार्यालयों और पटलों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने अभिलेखों के रखरखाव, कार्यप्रणाली और साफ-सफाई का जायजा लेते हुए अधिकारियों-कर्मचारियों को जिम्मेदारी और समयबद्धता से काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शासकीय कार्यों में लापरवाही और अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं होगी।

निरीक्षण के दौरान सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता, परियोजना निदेशक डीआरडीए अरुण कुमार उपाध्याय, डीडीओ गरिमा खरे और जिला अर्थ-संख्याधिकारी मोहित कुमार बघेल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। डीएम ने विभिन्न विभागों के कार्यालयों में पहुंचकर कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक कार्यालयों में उपस्थित रहकर जनसुनवाई करने और शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालयः– यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक–पवन गौतम

फोन नंबर–0565–3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।



दीपावली पर रोशनी से जगमगाए बाजार, झालरों के दाम बढ़े





कृष्णा नगर में रंग बिरंगी झालरों से सजा बाजार।

यूनिक समय, मथुरा। दीवाली का त्योहार नजदीक आते ही बाजार में रोशनी का कारोबार चमकने लगा है। घरों, दुकानों और प्रतिष्ठानों को सजाने के लिए ग्राहक रंग-बिरंगी झालरों और आकर्षक लाइटों की खरीदारी में जुट गए हैं। बाजार में इस बार डिजाइन और वैरायटी की ऐसी भरमार है कि दुकानों पर सजावटी लाइटें ग्राहकों को अपनी ओर खींच रही हैं। दीये से लेकर फूलों और सितारों वाली झालरों तक की मांग है। खास बात यह है कि चाइनीज उत्पादों के बीच भारतीय कंपनियों की एलईडी लाइटों को भी ग्राहक तरजीह दे रहे हैं। हालांकि, सजावट के शौकीनों को इस बार जेब कुछ ज्यादा ढीली करनी पड़ रही है। पिछले साल के मुकाबले लड़ी, लेजर और फ्लावर लाइट के दाम 50 से 100 रुपये तक बढ़ गए हैं।

नई डिजाइन और रंग बिरंगी लाइटों ने खींचा ग्राहकों का ध्यान, स्वदेशी उत्पादों की भी बढ़ी मांग

होलीगेट, कृष्णानगर और भरतपुर गेट, चौक बाजार आदि प्रमुख बाजारों में दीवाली की सजावट के लिए दुकानों पर रंग-बिरंगी रोशनी का संसार सजा है। दीये वाली लाइट, लेजर, लालटेन, राइस लाइट, पर्दा लाइट, स्टार, बेल और फूलों के डिजाइन वाली झालरों की खूब वैरायटी है। बिजली के लैंप, पेपर लैंप, बहुरंगी बल्ब और बैटरी से चलने वाली सजावटी लाइटें भी ग्राहकों को आकर्षित कर रही हैं। इस बार फ्लावर दीये भी चर्चा में हैं। इनकी खासियत है कि पानी डालते ही बिना बिजली के रोशनी होने लगती है।

20 रुपये से 1500 रुपये तक की झालर

होलीगेट पर दुकान संचालित करने वाले राहुल अग्रवाल ने बताया पिछले साल के मुकाबले इस बार रंग-बिरंगी लाइटों की मांग में तेजी है। इसके साथ ही कीमतों ने भी छलांग लगाई है। लड़ी, लेजर और फ्लावर लाइट 50 से 100 रुपये तक महंगी हुई हैं, जबकि चाइनीज झालरों के दाम में भी 20 से 30 रुपये तक का इजाफा हुआ है। बाजार में 20 रुपये से लेकर 1500 रुपये तक की सजावटी लड़ियां बिक रही हैं। कम कीमत से लेकर महंगी डिजाइनर लाइटों तक ग्राहक अपनी पसंद और बजट के मुताबिक खरीदारी कर रहे हैं।

दुकानदार दिनेश, रवी और नरेश का कहना है कि इस बार भारतीय कंपनियों की एलईडी और सजावटी झालरों की मांग अच्छी है। दुकानों पर स्वदेशी उत्पादों की नई-नई वैरायटी उपलब्ध हैं। हालांकि, चाइनीज एलईडी झालरों की बिक्री भी हो रही है। दुकानदारों को उम्मीद है कि दीवाली नजदीक आने के साथ बाजार में खरीदारी का जोर और बढ़ेगा। ग्राहक वंदना का कहना है कि बाजार में चाइनीज रंग-बिरंगी लड़ियों की भरमार है, लेकिन भारतीय कंपनियों के उत्पाद बेहतर हैं। वहीं, नेहा ने चाइनीज लड़ियों के बजाय मिट्टी के दीपक खरीदना पसंद किया। उनका कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली कटौती की समस्या रहती है। तेल के दीपक जलाना बेहतर विकल्प है।

24 नवंबर को यमुना के घाटों पर जगमगाएंगे हजारों दीप



समिति के पदाधिकारी सिटी मजिस्ट्रेट अनुपम मिश्रा को ज्ञापन सौंपते हुए।

यूनिक समय, मथुरा। कार्तिक पूर्णिमा पर 24 नवंबर को यमुना के प्रमुख घाट दीपों की रोशनी से जगमगाएंगे। देव दीपावली महोत्सव समिति की ओर से पिछले 20 वर्षों से आयोजित हो रहे इस आयोजन को इस बार और भव्य बनाने की तैयारी है। इसके लिए समिति के प्रतिनिधिमंडल ने डीएम चन्द्र प्रकाश सिंह और सिटी मजिस्ट्रेट अनुपम मिश्रा के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम ज्ञापन सौंपा।

समिति अध्यक्ष पंडित सोहन लाल शर्मा एडवोकेट ने बताया कि कार्तिक पूर्णिमा पर उनके प्रस्थान की मान्यता के चलते ब्रज के तीर्थस्थलों और देवालयों में देव दीपावली मनाई जाती है।

महामंत्री आचार्य ब्रजेन्द्र नागर ने बताया कि 24 नवंबर को शाम पांच बजे महोत्सव का शुभारंभ सतीबुर्ज राजा घाट पर शंखध्वनि के साथ होगा। इसमें संत–महात्मा, धर्माचार्य, गणमान्य नागरिक और जिला प्रशासन के अधिकारी शामिल होंगे। उपाध्यक्ष अजय चतुर्वेदी, पंडित पंकज शर्मा, महेन्द्र दत्त आचार्य एडवोकेट और अखिलेश मिश्रा पिंटू ने बताया कि कृष्णगंगा घाट से ध्रुवघाट तक, यमुना पार के पौराणिक घाटों और केशव दुर्ग (कंस किला) पर दीप प्रज्वलन, बिजली सजावट और रंगोली सजाई जाएगी। समिति ने ब्रजवासियों से एक दीप मां यमुना के चरणों में जलाकर प्रदूषण मुक्ति, अमर शहीदों की आत्मशांति, परिवार की सुख–समृद्धि और पूर्वजों की पुण्य स्मृति के संकल्प में सहभागी बनने की अपील की है।

देव दीपावली की भव्यता बढ़ाने को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

सतीबुर्ज राजा घाट से शंखध्वनि के साथ होगा शुभारंभ

ब्रज धरोहर संवारने वाले आचार्य को मिला सम्मान

सर्व ब्राह्मण महासभा ने अंगवस्त्र, परशुराम छवि और फरसा भेंट कर किया सम्मान



आचार्य रमाकांत गोस्वामी को सम्मानित करते विप्र समाज के बंधु।

यूनिक समय, मथुरा। सर्व ब्राह्मण महासभा की ओर से भैंस बहोरा स्थित कार्यालय पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें ब्रज के प्रमुख समाजसेवी आचार्य रमाकांत गोस्वामी को ब्रज के प्राचीन मंदिरों और कुंडों के जीर्णोद्धार में योगदान के लिए सम्मानित किया गया। महासभा पदाधिकारियों ने उन्हें अंगवस्त्र, भगवान परशुराम का छवि चित्र और फरसा भेंट किया।

आचार्य रमाकांत गोस्वामी ने बताया कि ब्रज विकास ट्रस्ट के माध्यम से ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा क्षेत्र के प्राचीन मंदिरों का जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण कराया जा रहा है। पिछले तीन वर्षों में मानिक चौक स्थित श्रीनाथजी मंदिर, पूछरी का लौठा स्थित अप्सरा बिहारी मंदिर, आजनौख स्थित इंदुलेखा मंदिर, करहला में चंपकलता मंदिर, कमई में विशाखा मंदिर, दाऊजी में टंगविद्या मंदिर और संकेत बिहारी मंदिर शामिल हैं। इसके अलावा कामवन के गया कुंड स्थित गदाधर मंदिर, गोकुल चंद्रमा मंदिर, गोपीनाथ मंदिर, भंडारवन के राधा-कृष्ण विवाह स्थल और दाऊजी मंदिर सहित अन्य धार्मिक स्थलों का भी जीर्णोद्धार कराया गया है।

उन्होंने बताया कि 25 नवंबर से 3 दिसंबर तक विभिन्न मंदिरों में कृष्णार्पण उत्सव आयोजित होंगे। सभी श्रद्धालुओं को इसमें आमंत्रित किया गया है। स्वामी घाट पर प्रवेश द्वार का निर्माण कराया गया है। महासभा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री अखिलेश गौड़ ने बताया कि फरवरी में राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान समारोह आयोजित करने की योजना है। अध्यक्षता ब्रज प्रांत अध्यक्ष सत्येंद्र तिवारी ने की। इस दौरान पंडित बंसीलाल शर्मा, सुभाष तिवारी, विनोद लाले, अजय शर्मा, प्रणत शर्मा, सुनील शर्मा और महानगर अध्यक्ष कपिल शर्मा आदि मौजूद रहे।

एसएसपी के साथ रिफाइनरी अधिकारियों ने की बैठक

यूनिक समय, मथुरा। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड रिफाइनरी के अधिकारियों और एसएसपी श्लोक कुमार के बीच मंगलवार को एक होटल में समन्वय बैठक हुई। इसमें रिफाइनरी की पाइपलाइनों की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और तेल चोरी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में रिफाइनरी अधिकारियों ने पाइपलाइन से तेल चोरी के मामलों में पुलिस की त्वरित और प्रभावी कार्रवाई की सराहना की। उन्होंने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए पुलिस और रिफाइनरी के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्यशैली और प्रभावी कार्रवाई के लिए एसएसपी सहित अन्य पुलिस अधिकारियों को सम्मानित किया गया। बैठक में पाइपलाइन सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर भी विचार-विमर्श किया गया।

पूर्व सैनिक चार नवंबर को डाकघर में जमा करें जीवन प्रमाण पत्र



जिला भूतपूर्व सैनिक संघ के पदाधिकारी बैठक करते हुए।

यूनिक समय, मथुरा। जिला भूतपूर्व सैनिक संघ की बैठक कैप्टन भंवर सिंह की अध्यक्षता में जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय परिसर में हुई। बैठक को संबोधित करते हुए जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल तेजवीर सिंह ने पूर्व सैनिकों से अपनी समस्याओं के समाधान के लिए व्यक्तिगत रूप से कार्यालय पहुंचकर जानकारी देने की अपील की।

कोऑर्डिनेटर इंडियन एक्स सर्विसेज लीग उत्तर प्रदेश खेमचंद शर्मा नगेश ने बताया कि पूर्व सैनिक पेंशनर अपना जीवन प्रमाण पत्र स्पर्श में जमा करने के लिए चार नवंबर को मुख्य डाकघर में सुबह 10 से शाम पांच बजे तक संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस माह की सैनिक बंधु बैठक डीएम की अध्यक्षता में 13 नवंबर को दोपहर एक बजे कलेक्ट्रेट सभागार में होगी। बैठक में कैप्टन जवाहरलाल, कैप्टन हरिहर शर्मा, प्रेम सिंह, मनोज कुलश्रेष्ठ, वरिष्ठ लिपिक रवि मिश्रा, शीशपाल सिंह, सुल्तान सिंह, ब्रिज सिंह पांडव, विजय कुमार, राधा चरण, हरिओम तिवारी, शिवचरण, रचना राज, तेज प्रकाश, नरेंद्र, राजेंद्र पाल, रणधीर सिंह, वीर नारियां रचना, सीमा, त्रिवेणी और सुधा सहित अन्य उपस्थित रहे। आईसीआईसीआई बैंक के प्रतिनिधि ने भी विचार रखे।

जिला भूतपूर्व सैनिक संघ की बैठक में दी गई महत्वपूर्ण जानकारी

कार्तिक में श्रद्धालुओं से गुलजार हुई वृंदावन की पंचकोसीय परिक्रमा



मंगलवार को वृंदावन की परिक्रमा लगाते श्रद्धालु।

यूनिक समय, वृंदावन। कार्तिक मास में धर्मनगरी वृंदावन भक्ति के रंग में रंगी नजर आ रही है। प्रतिदिन सुबह से ही पंचकोसीय परिक्रमा लगाने के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ रहा है। परिक्रमा मार्ग राधे-राधे के जयकारों और भजन-कीर्तन से गूंज रहा है। हाथों में माला और मुख पर राधारानी का नाम लिए श्रद्धालु पूरी श्रद्धा के साथ परिक्रमा कर रहे हैं।

कार्तिक मास को भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति और आराधना के लिए विशेष महत्व दिया जाता है। इसी आस्था के चलते देश के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालु वृंदावन पहुंच रहे हैं। परिक्रमा में महिलाओं की भागीदारी विशेष रूप से दिखाई दे रही है। महिलाएं समूह बनाकर भजन-कीर्तन करते हुए परिक्रमा कर रही हैं, वहीं बुजुर्ग श्रद्धालु भी उत्साह के साथ इस धार्मिक परंपरा का निर्वहन कर रहे हैं।

राधे–राधे के जयकारों और भजन–कीर्तन से गूंज रहा परिक्रमा मार्ग

परिक्रमा मार्ग पर जगह-जगह श्रद्धालुओं की टोलियां संकीर्तन करती नजर आ रही हैं। मंदिरों में दर्शन और ठाकुरजी के प्रति अटूट आस्था के साथ श्रद्धालु पंचकोसीय परिक्रमा पूरी कर रहे हैं। कार्तिक मास के चलते वृंदावन का चप्पा-चप्पा राधे-राधे के जयघोष से भक्तिमय बना हुआ है।

शिकायत पर सीआइआरजी के सुरक्षा अधिकारी भेजे गए अविकानगर

यूनिक समय, फरह। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने प्रशासनिक फेरबदल के तहत मखदूम स्थित आईसीएआर- सीआईआरजी में तैनात सुरक्षा अधिकारी पीके शर्मा को अविकानगर भेजा है। यह कार्रवाई शिकायत के आधार पह हुई है। जानकारों के अनुसार, सुरक्षा अधिकारी पीके शर्मा के खिलाफ आइसीएआर से शिकायत की गई थी। इस पर समिति ने एक से चार जुलाई तक सीआइआरजी में जांच की। पशु विज्ञान प्रभाग में गठित समिति की संस्तुति के आधार पर सक्षम प्राधिकारी ने यह स्थानांतरण से जुड़ी कार्रवाई की है। यह आदेश पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अवर सचिव (प्रशासन) संदीप सिंह दूदी ने जारी किया है।

जीएलए के किसान सम्मेलन में महिला उद्यमिता पर जोर

150 से अधिक महिला किसानों ने साझा किए अनुभव और समस्याएं

आधुनिक कृषि तकनीक सरकारी योजनाओं और स्वरोजगार पर हुआ मंथन



जीएलए विश्वविद्यालय में आयोजित फार्मर सम्मेलन में जुटे किसानों के साथ हैं कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता, कुलसचिव अशोक कुमार सिंह और अन्य ।

यूनिक समय, मथुरा। कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने, उन्हें आधुनिक तकनीकों से जोड़ने और आत्मनिर्भर उद्यमी बनाने के उद्देश्य से जीएलए विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान संकाय द्वारा किसान सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें 150 से अधिक महिला किसानों ने भाग लेकर कृषि से जुड़ी समस्याएं, अनुभव और सुझाव साझा किए। सम्मेलन में महिला सशक्तीकरण, कृषि आधारित व्यवसाय, स्वरोजगार और आधुनिक कृषि पद्धतियों पर विशेष जोर दिया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता, कुलसचिव प्रो. अशोक कुमार सिंह, नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक अभिषेक शुक्ला, कृषि विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष प्रो. वाईके शर्मा, विषय-वस्तु विशेषज्ञ डॉ. रविंद्र राजपूत, प्रगतिशील किसान दिलीप कुमार यादव और कृषि विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. शैलेश कुमार सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता ने कहा कि सशक्त भारत और समृद्ध कृषि के लिए महिलाओं का सशक्त होना जरूरी है। कृषि क्षेत्र में महिलाओं के लिए उद्यम स्थापित कर आत्मनिर्भर बनने की अपार संभावनाएं हैं। कुलसचिव प्रो. अशोक कुमार सिंह ने कृषि और कृषक समुदाय को मजबूत बनाने के लिए नवाचार-अनुसंधान को महत्वपूर्ण बताया।

प्रो. शैलेश कुमार सिंह ने महिला किसानों को कृषि आधारित व्यवसाय अपनाकर सफल उद्यमी बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विश्वविद्यालय की सुविधाओं और अवसरों का लाभ उठाने की अपील की। कृषि विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष प्रो. वाईके शर्मा ने फसल उत्पादकता, मृदा स्वास्थ्य और टिकाऊ कृषि पद्धतियों की जानकारी दी।

डॉ. रविंद्र राजपूत ने एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन का महत्व समझाया। नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक अभिषेक शुक्ला ने सरकारी योजनाओं, संस्थागत सहयोग और किसानों के लिए उपलब्ध अवसरों की जानकारी दी।

एक सोच फाउंडेशन के शिव प्रकाश ने एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन पर व्याख्यान दिया, जबकि संस्था की महिला अधिकारी चंचल चौधरी ने महिला उद्यमिता और स्वरोजगार के अवसरों पर प्रकाश डाला। गोवर्धन विकास खंड के प्रगतिशील किसान दिलीप यादव ने किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) और वर्मीकम्पोस्ट उत्पादन से जुड़े अनुभव साझा किए।

सम्मेलन में किसान-वैज्ञानिक संवाद सत्र भी आयोजित हुआ, जिसमें विशेषज्ञों ने किसानों की समस्याएं सुनकर सुझाव दिए। अडींग, जचौंदा, नीमगांव और जखनगांव की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में पंजीकरण, उद्घाटन सत्र, विशेषज्ञ व्याख्यान, प्रक्षेत्र भ्रमण और प्रदर्शनी की व्यवस्थाएं भी की गईं। संचालन डॉ. सर्वेश सिंह और डॉ. प्रदीप जोलिया ने किया।

दीपावली पर उज्ज्वला परिवारों को मुफ्त गैस सिलेंडर की सौगात

यूनिक समय, मथुरा। दीपावली पर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को सरकार मुफ्त गैस सिलिंडर रिफिल की सौगात देने जा रही है। जिले के करीब 2.15 लाख उज्ज्वला परिवारों को वित्तीय वर्ष 2026-27 में निशुल्क एलपीजी सिलिंडर मिलेगा। इसके लिए शासन ने दो चरणों में रिफिल उपलब्ध कराने के निर्देश जारी किए हैं। पहले चरण में अक्टूबर से दिसंबर 2026 और दूसरे चरण में जनवरी से मार्च 2027 तक लाभार्थियों को इस सुविधा का लाभ दिया जाएगा।

जिला पूर्ति अधिकारी संजीव सिंह ने बताया कि जिले में कुल 215900 उज्ज्वला गैस कनेक्शन हैं। इनमें करीब 85 प्रतिशत लाभार्थियों का आधार सत्यापन पूरा हो चुका है। योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को मुफ्त सिलिंडर रिफिल की सुविधा दी जाएगी। शासन की ओर से इसके लिए दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। आधार प्रमाणीकरण के बिना नहीं मिलेगा लाभ शासनादेश के अनुसार, मुफ्त सिलिंडर रिफिल का लाभ केवल प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के पात्र लाभार्थियों को ही मिलेगा। इसके लिए लाभार्थी का बैंक खाता आधार से लिंक होना और आधार प्रमाणीकरण पूरा होना अनिवार्य है। उज्ज्वला



जिले के 2.15 लाख लाभार्थियों को मिलेगा लाभ

आधार प्रमाणीकरण और बैंक खाते से लिंक होना अनिवार्य

योजना के दूसरे सिलिंडर कनेक्शन पर इस सुविधा का लाभ नहीं मिलेगा। वर्तमान में पांच किलोग्राम और 14.2 किलोग्राम के एलपीजी सिलिंडर प्रचलन में हैं। पांच किलोग्राम वाले कनेक्शन को 14.2 किलोग्राम में परिवर्तित कराने की सुविधा भी उपलब्ध है। हालांकि, निशुल्क रिफिल योजना का लाभ केवल 14.2 किलोग्राम सिलिंडर वाले पात्र उज्ज्वला कनेक्शनधारकों को ही दिया जाएगा।

दुवासु के खाते में नौ पुरस्कार

राष्ट्रीय संगोष्ठी में बजा डंका


कुलपति डा. अभिजीत मित्रा के साथ पुरस्कार जीतने वाले वैज्ञानिक।

यूनिक समय, मथुरा। पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय (दुवासु) के पशु चिकित्सा औषधि विभाग ने राष्ट्रीय संगोष्ठी में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। जयपुर में आयोजित सातवें वार्षिक सम्मेलन में विभाग के संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों ने विभिन्न श्रेणियों में नौ पुरस्कार हासिल कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया।

26 से 28 अक्टूबर तक आयोजित सम्मेलन में देशभर के पशु चिकित्सा विशेषज्ञों और शोधार्थियों ने भाग लिया। इसमें दुवासू के चार संकाय सदस्यों, एक पीएचडी शोधार्थी और पांच एमवीएससी विद्यार्थियों ने शोध प्रस्तुत किए। प्रोफेसर डॉ. मुकेश कुमार श्रीवास्तव ने वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की। सहायक आचार्य डॉ. पद्मा निबाश पाणिग्रही को थॉमस गॉर्डन हंगरफोर्ड स्वर्ण पदक, डॉ. जितेंद्र सिंह

पशु चिकित्सा सम्मेलन में संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों ने हासिल किए सम्मान

गांधर को प्रशंसा पुरस्कार और डॉ. कपिल कुमार गुप्ता को विशेष सम्मान मिला। विद्यार्थियों में पीएचडी शोधार्थी डॉ. पीयूष कुमार और एमवीएससी विद्यार्थियों डॉ. अनु सिंघला, डॉ. प्रदीप कुमार और डॉ. मानसी सहस्त्रबुद्धे ने विभिन्न वैज्ञानिक सत्रों में प्रथम पुरस्कार हासिल किए। डॉ. दिव्या जैन को द्वितीय और डॉ. प्रियंका पाल को तृतीय पुरस्कार मिला। जयपुर से लौटने पर सभी विजेताओं ने कुलपति डॉ. अभिजीत मित्रा और पशु चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. विकास पाठक से मुलाकात की। कुलपति और अधिष्ठाता ने सभी को बधाई देते हुए शोध-वैज्ञानिक गतिविधियों में उत्कृष्टता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

सीनियर पुरुष फुटबाल टीम के चयन ट्रायल छह नवंबर को

यूनिक समय, मथुरा। खेल निदेशालय के तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में 16 से 23 नवंबर तक गोंडा में प्रदेशीय सीनियर पुरुष फुटबाल प्रतियोगिता आयोजित होगी। इसमें प्रतिभाग करने वाली जिले की टीम के गठन के लिए जिला और मंडल स्तर पर चयन ट्रायल कराए जाएंगे। जिला खेल कार्यालय की ओर से छह नवंबर को दोपहर तीन बजे स्व. मोहन पहलवान स्पोर्ट्स स्टेडियम, गणेशरा में जिला स्तरीय चयन ट्रायल होंगे। चयनित खिलाड़ियों के लिए सात नवंबर को दोपहर दो बजे मंडलीय चयन प्रक्रिया आयोजित की जाएगी। उप क्रीड़ा अधिकारी आजाद सिंह ने बताया कि ट्रायल में शामिल होने के इच्छुक खिलाड़ी निर्धारित तिथि और समय पर स्टेडियम पहुंचें। खिलाड़ियों को जन्मतिथि का मूल प्रमाण पत्र और आधार कार्ड साथ लाना अनिवार्य है। आयोजन समिति के पदाधिकारी, नगर के गणमान्य लोग और बड़ी संख्या में शिवभक्त मौजूद रहे।

एमिटी यूनिवर्सिटी में राजीव एकेडमी ने लहराया परचम

यूनिक समय, मथुरा। राजीव एकेडमी फॉर फार्मेसी, मथुरा के विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा और अभिनय कौशल का शानदार प्रदर्शन करते हुए एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा में आयोजित नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। विश्व फार्मासिस्ट दिवस और राष्ट्रीय फार्मेसी सप्ताह के उपलक्ष्य में आयोजित इस प्रतियोगिता में मिली सफलता से संस्थान और मथुरा का गौरव बढ़ा है।

फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) और वेस्टर्न उत्तर प्रदेश, दिल्ली स्टेट फार्मेसी इंस्टीट्यूट्स के संयुक्त तत्वावधान में प्रतियोगिता आयोजित की गई। पुरस्कार वितरण समारोह में फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया की केंद्रीय समिति के सदस्यों ने विजेता विद्यार्थियों को ट्रॉफी और पदक प्रदान कर सम्मानित किया। विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं में फार्मासिस्ट की महत्वपूर्ण भूमिका को


एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा में सम्मानित होते विद्यार्थी और शिक्षक।

प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। उनके अभिनय में रचनात्मकता, आत्मविश्वास, सामूहिक समन्वय और सामाजिक जागरूकता का उत्कृष्ट प्रदर्शन देखने को मिला।

प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम का नेतृत्व योगिता सिंह ने किया। टीम में हिमांशु, करण कुमार, प्रवीण, गुलशन, पूजा, योगिता जोशी, राखी दक्ष, अनामिका राजपूत, टीनू शामिल रहे। आयोजन में राजीव एकेडमी फॉर फार्मेसी के सहायक आचार्य लक्ष्मीकांत ने कार्यक्रम नोडल अधिकारी, सहायक आचार्या मनु शर्मा ने कार्यक्रम समन्वयक की जिम्मेदारी निभाई। सफल आयोजन में योगदान के लिए फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया की ओर से दोनों शिक्षकों को भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

आर.के. एज्यूकेशनल ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. रामकिशोर अग्रवाल ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य किताबी ज्ञान के साथ सामाजिक सरोकार, रचनात्मकता, संवाद कौशल और व्यावसायिक जिम्मेदारी विकसित करना भी है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को अपने ज्ञान से समाज को

नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता में प्रथम स्थान, विद्यार्थियों को मिली ट्रॉफी और पदक

फार्मासिस्ट की भूमिका पर शानदार प्रस्तुति ने निर्णायकों का जीता दिल

योगिता सिंह के नेतृत्व में नौ विद्यार्थियों की टीम ने मारी बाजी

जागरूक करने का अवसर देते हैं। संस्थान के निदेशक डॉ. हिमांशु चोपड़ा ने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, टीम भावना और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने योगिता सिंह सहित सभी प्रतिभागियों तथा शिक्षक लक्ष्मीकांत और मनु शर्मा के योगदान की सराहना की।

20 नवंबर को 11 जोड़े एक साथ लेंगे सात फेरे



यूनिक समय, मथुरा। महात्मा ज्योतिराव फुले विकास समिति की ओर से 20 नवंबर को आयोजित होने वाले सामूहिक विवाह समारोह की तैयारियां तेज हो गई हैं। समारोह में 11 जोड़े परिणय सूत्र में बंधेंगे। आयोजन को भव्य और यादगार बनाने के लिए नगला चिरंजी गोला कुआं, यमुना पार में समिति पदाधिकारियों-सदस्यों की बैठक हुई। इसमें कार्यक्रम की रूपरेखा तय कर विभिन्न व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि सभी दूल्हों की बारात घोड़ों पर बैंड-बाजों के साथ आकर्षक ढंग से निकाली जाएगी। वरमाला और आशीर्वाद समारोह कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण होंगे। महात्मा ज्योतिराव फुले के विचारों के अनुरूप सामाजिक समरसता और अनुशासन के साथ आयोजन संपन्न कराया जाएगा। इस अवसर पर समारोह के निमंत्रण कैलेंडर का विधिवत विमोचन भी किया गया।

समिति अध्यक्ष रमेश सैनी ने कहा कि सामूहिक विवाह का उद्देश्य सामाजिक एकता को मजबूत करना, फिजूलखर्ची रोकना और जरूरतमंद परिवारों को सहयोग देना है। बैठक में मुकेश सैनी, संजय सैनी, अनिल सैनी, राजू सैनी, जितेन्द्र, देवेन्द्र सैनी, प्रेम चंद सैनी, बांके सैनी, सुनील सैनी, पवन ठाकुर, ओमप्रकाश सैनी, जसवंत सिंह कुशवाहा और पीतम सैनी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

छाता में केडी पुल पर किसान से 2.18 लाख रुपये लूटे

मंडी से धान की फसल बेचकर टेंपो से लौट रहा था बुजुर्ग

बाइक सवार दो बदमाशों ने धक्का देकर गिराया



यूनिक समय, मथुरा। थाना छाता क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित केडी मेडिकल कॉलेज पुल पर बाइक सवार दो बदमाश एक बुजुर्ग किसान से 2.18 लाख रुपये लूटकर फरार हो गए। किसान टेंपो से उतर रहा था, तभी बदमाशों ने उसे धक्का देकर गिरा दिया और नकदी छीन ली। वारदात की सूचना पर पहुंची पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गांव कौंकेरा, थाना छाता निवासी बासुदेव धान की फसल बेचने के रुपये लेने मथुरा मंडी आया था। वह लाखन सिंह को देने के लिए घर से 1.12 लाख रुपये भी लेकर आया था। लाखन सिंह के नहीं मिलने पर वह धान की फसल का भुगतान लेने मुनीम मेघश्याम के पास पहुंचा। मुनीम ने उसे 1.06 लाख रुपये का भुगतान किया।

इसके बाद बासुदेव टेंपो से घर लौट रहा था।

बताया गया कि केडी मेडिकल कॉलेज पुल के समीप टेंपो से उतरते समय बाइक सवार दो युवकों ने उसे धक्का देकर गिरा दिया और उसके पास मौजूद 2.18 लाख रुपये लूटकर भाग निकले। किसान ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। छाता पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लुटेरों की तलाश शुरू कर दी है।

हरीपुरा गांव के पास हुआ हादसा चालक वाहन समेत फरार

अज्ञात वाहन ने बाइक सवार दो युवकों को रौंदा, एक की मौत

दोस्त गंभीर रूप से घायल, जिला अस्पताल में चल रहा उपचार

यूनिक समय, कोसीकलां। कोसी-नंदगांव मार्ग पर सोमवार रात तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार दो युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। हादसे की खबर मिलते ही मृतक के परिवार में कोहराम मच गया।

जानकारी के अनुसार, मृतक ब्रजभूषण मूल रूप से तांगड़ा मोहल्ला का निवासी था। वर्तमान में वह ऑफिसर कॉलोनी कोसीकलां में रह रहा था। सोमवार रात करीब 10 बजे वह अपने दोस्त संजय के साथ बाइक से नंदगांव से कोसीकलां लौट रहा था। हरीपुरा गांव के समीप पीछे से आए तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक क्षतिग्रस्त हो गई और दोनों युवक सड़क पर जा गिरे। ब्रजभूषण ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

हादसे की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से घायल संजय को सीएचसी कोसीकलां पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश कुमार ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों की तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर फरार अज्ञात वाहन की तलाश की जाएगी।

कोसी में एंटी रोमियो टीम बेपता, छात्राएं असुरक्षित, महिला सुरक्षा के दावे फेल

यूनिक समय, कोसीकलां। शासन स्तर से महिला सुरक्षा को लेकर भले ही सख्त निर्देश दिए गए हों, लेकिन कोसीकलां में उन निर्देशों का पालन होता नजर नहीं आ रहा है। महिला सुरक्षा के लिए गठित एंटी रोमियो स्क्वाड केवल थाना अभिलेखों तक सिमट कर रह गई है। धरातल पर टीम का कहीं अता–पता नहीं है, जिसके चलते स्कूली छात्राओं और महिलाओं में असुरक्षा की भावना बढ़ती जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाने में प्रतिदिन एंटी रोमियो टीम के प्वाइंट निर्धारित कर ड्यूटी लगाई जाती है। रजिस्टर में महिला और पुरुष सिपाहियों के नाम दर्ज कर खानापूर्ति कर दी जाती है। लेकिन हकीकत यह है कि जिन स्थानों पर टीम की सबसे अधिक आवश्यकता है, वहां पुलिस का कोई जवान मौजूद नहीं रहता। मंगलवार को यूनिक समय टीम ने दोपहर 12 बजे से सायं 4 बजे तक नगर के विभिन्न क्षेत्रों में पड़ताल की। टीम सबसे पहले नगर पालिका बालिका इंटर कॉलेज पहुंची। छुट्टी के समय सैकड़ों छात्राएं सड़क पर थीं, लेकिन गेट पर सुरक्षा के लिए कोई महिला पुलिसकर्मी मौजूद नहीं थी। इसके बाद डिग्री कॉलेज, हिंदू इंटर कालौज और नगर के गांधी पार्क का जायजा लिया गया, हर जगह स्थिति एक जैसी मिली। भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह नदारद थी। कॉलेज की छात्राओं ने बताया कि उन्होंने आज तक कॉलेज के आसपास एंटी रोमियो टीम को गश्त करते नहीं देखा। कई बार अराजक तत्व टिप्पणी करते हैं, लेकिन शिकायत करने के लिए मौके पर पुलिस ही नहीं मिलती। बाजार में खरीदारी करने आई महिलाओं ने भी बताया कि दीपावली त्योहारी सीजन में बाजार में काफी भीड़ रहती है, ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था का न होना चिंता का विषय है।

महाकाल के जयकारों से गूंजा कोसीकलां धूमधाम से निकली शाही सवारी

यूनिक समय, कोसीकलां। श्री कृष्णेश्वर महाकाल की प्रथम वर्षगांठ पर मंगलवार को कोसीकलां शिवमय हो गया। बैंड-बाजों की गूंज, ढोल-नगाड़ों की थाप और हर-हर महादेव के जयघोष के बीच बाबा महाकाल की भव्य शाही पालकी शोभायात्रा निकाली गई।

इसमें सैकड़ों शिवभक्त नाचते-गाते और अबीर–गुलाल उड़ाते हुए शामिल हुए।

शाम पांच बजे गोमती कुंड स्थित बालाजी मंदिर परिसर से शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ।

फूलों से सजी शाही पालकी में विराजमान बाबा महाकाल नगर भ्रमण पर निकले।

पालकी के आगे बैंड पर शिव धुन बज रही थी, जबकि पीछे भक्त जयकारे लगाते हुए चल रहे थे।

बालाजी मंदिर से मुख्य बाजार, बस स्टैंड और शेरगढ़ रोड होते हुए शोभायात्रा आगे बढ़ी तो रास्ते में श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ पड़ा। जगह–जगह व्यापारियों और भक्तों ने पुष्पवर्षा कर पालकी का स्वागत किया और बाबा की आरती उतारी। महिलाओं ने छतों से फूल बरसाए तो युवाओं ने जयकारों से माहौल भक्तिमय कर दिया।

इससे पहले सुबह सात बजे वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच बाबा का महा रुद्राभिषेक किया गया।

इसमें नगर के कल्याण की कामना की गई।

सुबह 11 बजे से आयोजित भजन संध्या में भजन गायक अशोक भार्गव, आयुष गर्ग और सुमन तंवर ने भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया।

कोसीकलां के युवक की रेलवे ट्रैक पर मौत, भूतेश्वर लाइन पर मिला शव

फरीदाबाद में करता था इलेक्ट्रीशियन का काम

मौत की वजह स्पष्ट नहीं

यूनिक समय, कोसीकलां। कोसीकलां के मोहल्ला घेर दिलसुखराय निवासी युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसका शव मथुरा के भूतेश्वर रेलवे लाइन पर पड़ा मिला। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मृतक की पहचान संजय पुत्र चंदरभान निवासी घेर दिलसुखराय, कोसीकलां के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार संजय हरियाणा के फरीदाबाद में इलेक्ट्रीशियन का काम करता था। उसकी पत्नी मथुरा स्थित अपने मायके में रहती है। इसी वजह से उसका मथुरा आना–जाना लगा रहता था।

बताया गया कि संजय एक नवंबर को कोसीकलां स्थित अपने घर से फरीदाबाद काम पर जाने की बात कहकर निकला था। सोमवार रात परिजनों को सूचना मिली कि एक युवक का शव मथुरा में भूतेश्वर रेलवे लाइन पर पड़ा है। सूचना पर परिजन मथुरा पहुंचे और शव की पहचान संजय के रूप में की। मौके पर पहुंची जीआरपी ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। युवक की मौत रेल हादसे में हुई या उसने आत्महत्या की, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकेगा। जवान बेटे की मौत से परिवार में मातम पसरा है और परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

पावरलिफ्टिंग में विशाल ने 380 किलो वजन उठाकर जीता खिताब

कोसीकलां में पहलवानों ने दिखाया दमखम

80 से अधिक खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा



पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में पहलवान का स्वागत करते नरदेव चौधरी।

यूनिक समय, कोसीकलां। पहलवान फिटनेस क्लब के तत्वावधान में सोमवार को आयोजित पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में पहलवानों ने दमखम दिखाया। कोसी, नंदगांव, छाता, जाब सहित आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे करीब 80 से 90 खिलाड़ियों ने विभिन्न भार वर्गों में अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में वीरसिंह पहलवान विशाल ने कुल 380 किलोग्राम वजन उठाकर खिताब अपने नाम किया। उन्हें 'स्ट्रांगमैन ऑफ द टूर्नामेंट' घोषित किया गया।

प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री के प्रतिनिधि नरदेव चौधरी ने किया। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। सबसे रोमांचक मुकाबले 90 किलोग्राम भार वर्ग में हुए। इस वर्ग में विशाल ने 150 किलोग्राम बेंच प्रेस और 230 किलोग्राम डेडलिफ्ट लगाकर कुल 380 किलोग्राम वजन उठाया और प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी भार वर्ग में बंटी ठाकुर-दलबीर ठाकुर प्रथम रहे।

84 किलोग्राम वर्ग में जाब निवासी सचिन ने 210 किलोग्राम डेडलिफ्ट लगाकर दूसरा स्थान प्राप्त किया। 70 किलोग्राम वर्ग में भोला उर्फ वीर प्रधान ने 110 किलोग्राम बेंच प्रेस के साथ पहला स्थान हासिल किया। 59 किलोग्राम वर्ग में दीपू प्रथम और आर्यन द्वितीय रहे। 74 किलोग्राम वर्ग में गोपाल ने पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि 59 किलोग्राम वर्ग में प्रमोद द्वितीय रहे।

समापन पर विजेता और उपविजेता पहलवानों को मेडल, प्रमाण पत्र और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर कर्मवीर चौधरी, डॉ. रूपसिंह, उपेंद्र, धीरेंद्र मास्टर, भगवान पहलवान, रोतास पहलवान, फैसल रॉयल, राजा भैया, गौरव कौशिक सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे।

बांके बिहारी मंदिर में दर्शन के नाम पर भेदभाव का आरोप

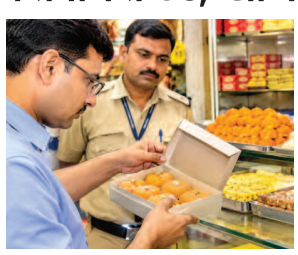
भाकियू मंडल अध्यक्ष ने मंदिर कमेटी के सामने उठाया मुद्दा

समान दर्शन व्यवस्था की मांग

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन के श्री बांके बिहारी मंदिर में वीआईपी दर्शन के नाम पर कथित भेदभाव का मामला सामने आया है। भारतीय किसान यूनियन के मंडल अध्यक्ष रणवीर सिंह चाहर ने आरोप लगाया कि रुपये लेकर कुछ श्रद्धालुओं को विशेष द्वार से दर्शन कराए जा रहे हैं, जबकि सामान्य और गरीब श्रद्धालुओं को घंटों कतार में इंतजार करना पड़ता है। दो नवंबर को मंदिर में दर्शन करने पहुंचे रणवीर सिंह चाहर ने इस व्यवस्था पर नाराजगी जताते हुए मंदिर कमेटी के सामने मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि भगवान के दरबार में सभी श्रद्धालु समान हैं। दर्शन व्यवस्था में आर्थिक आधार पर भेदभाव नहीं होना चाहिए।

उन्होंने कमेटी से व्यवस्था में सुधार और श्रद्धालुओं के साथ समान व्यवहार सुनिश्चित करने की मांग की। मंदिर कमेटी की ओर से आश्वासन मिलने के बाद वह अपनी टीम के साथ लौट आए। मंडल उपाध्यक्ष चौधरी योगेंद्र सिंह ने कहा कि मंडल अध्यक्ष हमेशा आमजन और पीड़ितों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हैं। इस दौरान अमन चाहर, ओमप्रकाश, राजवीर नेताजी, मनजीत सिंह नंद, प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी धर्मवीर सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष बुद्ध सिंह और प्रधान रणवीर सिंह सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मिठाइयों पर नहीं है एक्सपायरी डेट, खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्यशैली पर उठे सवाल



यूनिक समय, कोसीकलां। दीपावली नजदीक है और बाजार मिठाइयों से पट गया है, लेकिन अधिकांश मिठाइयों पर निर्माण और एक्सपायरी डेट का लेबल नहीं लगा है। इससे ग्राहकों की सेहत पर खतरा मंडरा रहा है, लेकिन खाद्य सुरक्षा विभाग का कोई अभियान दिखाई नहीं दे रहा। स्थानीय लोगों और व्यापारियों में चर्चा है कि खाद्य सुरक्षा विभाग त्योहार से पहले केवल खानापूर्ति करता है। लोगों का आरोप है कि विभाग की टीमें केवल छोटे ठेले और छोटे दुकानदारों पर कार्रवाई कर वाहवाही लूटती हैं, जबकि नगर के बड़े और नामी मिठाई विक्रेताओं की दुकानों पर जांच तक नहीं की जाती। इसी कारण बड़े दुकानदार बिना किसी डर के बिना लेबल वाली मिठाइयां बेच रहे हैं। लोगों ने सवाल उठाया है कि आखिर हर साल त्योहार पर ही ऐसी लापरवाही क्यों सामने आती है और विभाग बड़े प्रतिष्ठानों की जांच से क्यों बचता है। नागरिकों ने डीएम से मांग की है कि दीपावली से पहले खाद्य सुरक्षा विभाग की टीमों द्वारा सभी छोटे-बड़े प्रतिष्ठानों की एक साथ, निष्पक्ष और सघन जांच कराई जाए। बिना लेबल और मिलावटी मिठाई बेचने वालों पर बिना भेदभाव के कठोर कार्रवाई की जाए, ताकि आम आदमी त्योहार पर शुद्ध और सुरक्षित मिठाई खा सके।

सुविचार

समय की कद्र करो, बीता हुआ पल लौटकर कभी नहीं आता।

कल का पंचांग

तिथि	दशमी	11:55-11:03 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष	
नक्षत्र	पू.फाल्गुनी	03:26-03:30 तक	माह	कार्तिक	
सूर्योदय		6:34 AM	चन्द्रोदय	01:41 AM	
सूर्यास्त		5:47 PM	चंद्रास्त	02:35 PM	
सूर्य राशि		तुला राशि	चंद्र	सिंह राशि	
शुभ मुहूर्त		11:41AM –12:26 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:52-05:43	
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083	
राहुकाल		12:11 PM: 01:35 PM	वार	बुधवार	

ब्रज के मंदिरों के दर्शन



ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

भैयादूज पर बहन यमुना की जिद पर यमराज ने खोले नरकद्वार



बहन के निमंत्रण पर यमलोक छोड़ पहुंचे थे यमराज

भाईदूज पर यमुना और यमराज के मिलन की अनोखी कथा

आज भी विश्रामघाट पर विराजमान हैं यमुना–धर्मराज

यूनिक समय, मथुरा। भाई–बहन के प्रेम और अटूट रिश्ते का प्रतीक भाईदूज पर्व इस बार तीन नवंबर को मनाया जा रहा है। इस पर्व से जुड़ी पौराणिक कथा बेहद रोचक है। मान्यता है कि एक बार मृत्यु के देवता यमराज को भी अपनी बहन यमुना की जिद के आगे झुकना पड़ा था। इसी घटना के बाद भाईदूज मनाने की परंपरा शुरू हुई।

मथुरा के विश्रामघाट का भी इस पर्व से विशेष धार्मिक संबंध माना जाता है। यहां यमुना–धर्मराज का मंदिर स्थित है। मान्यता के अनुसार, इस मंदिर में यमुना मैया और धर्मराज के दर्शन करने का विशेष महत्व है। भाईदूज पर यमुना स्नान, पूजा और भाई के माथे पर तिलक लगाने की परंपरा इस पौराणिक प्रसंग की याद दिलाती है।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, सूर्यदेव के पुत्र यमराज और पुत्री यमुना भाई–बहन थे। यमराज को मृत्यु के देवता का दायित्व मिला, जबकि यमुना धरती पर नदी के रूप में प्रवाहित हुईं। दोनों के रास्ते अलग हो गए, लेकिन बहन यमुना के मन में भाई से मिलने की इच्छा हमेशा बनी रही।

कथा के अनुसार, यमुना कई बार यमलोक पहुंचकर भाई यमराज को अपने घर भोजन करने का निमंत्रण देती थीं। यमराज हर बार अपने कार्यों की व्यस्तता का हवाला देकर आने का वादा करते, लेकिन बहन के घर नहीं पहुंच पाते। समय बीतता रहा और यमुना का इंतजार भी बढ़ता गया। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया को यमुना ने फिर भाई को आमंत्रित किया। इस बार उन्होंने स्पष्ट कह दिया कि वह बिना भाई को साथ लिए वापस नहीं लौटेंगी। बहन का प्रेम देखकर यमराज ने उनका निमंत्रण स्वीकार कर लिया। कथा में वर्णन मिलता है कि यमराज ने उस दिन नरक के द्वार खोलकर वहां बंद आत्माओं को भी मुक्ति दी।

यमराज जब यमुना के घर पहुंचे तो बहन ने उनका स्वागत किया। उन्हें स्नान कराकर तिलक लगाया, नए वस्त्र पहनाए और अपने हाथों से भोजन कराया। बहन के प्रेम और आतिथ्य से प्रसन्न होकर यमराज ने वरदान मांगने को कहा।

यमुना ने अपने लिए कुछ मांगने के बजाय प्रार्थना की कि यमराज हर वर्ष इस दिन उनके घर भोजन करने आएं और जो भाई इस दिन बहन के घर भोजन करे, उसे सुख-समृद्धि प्राप्त हो। यमराज ने उनकी प्रार्थना स्वीकार करते हुए यह दिन भाई–बहन के प्रेम को समर्पित कर दिया।

तभी से कार्तिक शुक्ल द्वितीया को भाईदूज मनाने की परंपरा प्रचलित मानी जाती है। इस दिन बहनें भाइयों को तिलक लगाकर उनकी लंबी आयु और सुखी जीवन की कामना करती हैं। मथुरा के विश्रामघाट पर स्थित यमुना–धर्मराज मंदिर इस पौराणिक परंपरा और भाई–बहन के पवित्र रिश्ते की याद दिलाता है।

JAIGURUDEV MULTISPECIALITY HOSPITAL
मथुरा में सबसे कम दरों पर समस्त स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएँ उपलब्ध
हमारी टीम के अनुभवी एवं विशेषज्ञ डॉक्टर
डॉ. अनिल कुमार गौतम — M.B.B.S, M.D., MEDICINE (CONSULTANT PHYSICIAN)
डॉ. दुर्गेश कुमार — M.B.B.S, D.N.B., ORTHO-SUR. JOINT REPLACEMENT
डॉ. वी. के. पांडे — M.B.B.S. M.S. Ortho
डॉ. संदीप गोवर्धन चौहान — M.B.B.S, D.N.B., NEURO SURGEON
डॉ. इला अग्रवाल — M.B.B.S. M.S. Ortho
डॉ. एकता थडानी — M.B.B.S., DNB. (OBGY)
डॉ. सी. एम. मवार — M.B.B.S. DVD. MIADVI
डॉ. नितेश जिंदल — MBBS, MD, MEDICINE
डॉ. नरेश अग्रवाल — M.B.B.S., D.C.H
डॉ. अर्पण मौर्य — M.B.B.S., M.S. (SURGERY) F.M.A.S F.I.A.G.E.S GERASER SURGO &
डॉ. मनदीप यादव — D.P.T B.P.T
डॉ. चेतना अग्रवाल — B.D.S., MIDA
डॉ. हरि प्रसाद — (B.H.M.S) CONSULTANT HOMOEOPATH
डॉ. एम. माहेश्वरी — M.B.B.S. (MS) OPTHOLMALOGY
आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत ₹ 5 लाख तक का नि:शुल्क उपचार
आयुष्मान कार्ड धारकों का स्वागत है
आपातकालीन मो.नं. 7078877006
8650777901, 8953925593
Maholi Link Road, Mathura (U.P.)

रमा एकादशी पर विष्णु कृपा पाने का विशेष अवसर

चार और पांच नवंबर को रहेगी एकादशी तिथि की स्थिति

पांच नवंबर को व्रत छह को करें पारण



यूनिक समय, मथुरा। कार्तिक मास की पहली एकादशी यानी रमा एकादशी का व्रत इस बार पांच नवंबर को रखा जाएगा। एकादशी तिथि दो दिन रहने के कारण व्रत की तारीख को लेकर असमंजस बना हुआ है। पंचांग के अनुसार, कार्तिक कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि चार नवंबर को सुबह करीब 11:03 बजे शुरू होकर पांच नवंबर को सुबह 10:36 बजे समाप्त होगी। उदया तिथि के आधार पर पांच नवंबर को व्रत करना उचित माना गया है। व्रत का पारण छह नवंबर को किया जाएगा।

रमा महालक्ष्मी का ही एक नाम है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा करने से घर–परिवार में सुख–शांति और समृद्धि आती है। व्रत करने वालों को सुबह स्नान के बाद सूर्यदेव को जल अर्पित कर भगवान विष्णु के सामने व्रत का संकल्प लेना चाहिए। पूजा में फूल, फल, मिठाई और तुलसी दल चढ़ाएं। शाम को आरती और रमा एकादशी की कथा का पाठ करें। इस दिन दान–पुण्य का भी विशेष महत्व बताया गया है।

पौराणिक कथा के अनुसार, राजा मुचुकुंद के दामाद शोभन ने रमा एकादशी का व्रत रखा था। व्रत के पुण्य प्रभाव से उन्हें मृत्यु के बाद दिव्य लोक में स्थान मिला। बाद में उनकी पत्नी चंद्रभागा ने भी व्रत किया और अपने पति के पास पहुंच गईं। इस कथा के माध्यम से श्रद्धा और भगवान विष्णु की भक्ति का महत्व बताया गया है।

नरक चतुर्दशी पर यम दीप जलाने से दूर होगा अकाल मृत्यु का भय

यमराज की पूजा और दीपदान का है विशेष महत्व

दक्षिण दिशा की सफाई रखें तामसिक भोजन से बचें

यूनिक समय, मथुरा। नरक चतुर्दशी यानी छोटी दीपावली का पर्व धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यमराज की पूजा और दीपदान के लिए विशेष माना जाता है। कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मनाए जाने वाले इस पर्व पर घर के बाहर यमराज के नाम से दीपक जलाने की परंपरा है। मान्यता है कि ऐसा करने से अकाल मृत्यु का भय दूर होता है और परिवार पर यमराज की कृपा बनी रहती है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यम दीप जलाते समय परिवार की सुख–समृद्धि और लंबी आयु की कामना की जाती है। यह दीपक जीवन से नकारात्मकता दूर करने और शुभता का प्रतीक माना जाता है।

नरक चतुर्दशी को भगवान श्रीकृष्ण द्वारा नरकासुर का वध किए जाने की स्मृति में भी मनाया जाता है। मान्यता है कि नरकासुर के अत्याचारों से मुक्ति मिलने की खुशी में यह पर्व मनाया गया। इसी कारण इसे छोटी दीपावली भी कहा जाता है।

इस दिन कुछ बातों का ध्यान रखने की भी धार्मिक परंपरा है। मान्यता के अनुसार, किसी जीव को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहिए। घर की दक्षिण दिशा को साफ–सुथरा रखना चाहिए। तामसिक भोजन से बचने और घर में स्वच्छता बनाए रखने की सलाह दी जाती है।

40 दिन की अखंड ज्योत से पूरी होती हैं भक्तों की मनोकामनाएं



श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बना प्राचीन हनुमान मंदिर

मंगलवार और शनिवार को दर्शन के लिए उमड़ते हैं भक्त

यूनिक समय, मथुरा। मंदिरों में पूजा–अर्चना और दीपक जलाने की परंपरा तो आम है, लेकिन गाजियाबाद के एक हनुमान मंदिर में 40 दिन तक लगातार देसी घी की अखंड ज्योत जलाने की विशेष परंपरा श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। मान्यता है कि बजरंगबली के दरबार में पूरी श्रद्धा और विश्वास के साथ 40 दिन तक ज्योत जलाने से भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। यही वजह है कि यहां गाजियाबाद के अलावा दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों से भी श्रद्धालु पहुंचते हैं।

गाजियाबाद के संजय नगर स्थित एफ ब्लॉक, सेक्टर–23 में दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर करीब 45 से 50 वर्ष पुराना बताया जाता है। मंदिर में लंबे समय से सेवा कर रहीं मुकेश देवी के अनुसार, यहां वर्षों से भक्त पूजा–अर्चना के लिए आते हैं। मंदिर की विशेष पहचान 40 दिन की अखंड ज्योत की परंपरा है। श्रद्धालु अपनी मनोकामना लेकर मंदिर पहुंचते हैं और हनुमान जी के सामने देसी घी का दीपक जलाकर 40 दिनों तक उसकी सेवा का संकल्प लेते हैं। कुछ भक्त इस दौरान विशेष नियमों का पालन भी करते हैं। मंदिर से जुड़ी मान्यता के अनुसार, कुछ श्रद्धालु 40 दिनों तक अन्न का सेवन नहीं करते और फल तथा दूध ग्रहण करते हैं। हालांकि यह व्यक्तिगत श्रद्धा और संकल्प पर निर्भर करता है। मंदिर से जुड़े लोगों के मुताबिक, यहां कोई नौकरी की कामना लेकर आता है तो कोई संतान प्राप्ति और पारिवारिक सुख की प्रार्थना करता है। मनोकामना पूरी होने पर श्रद्धालु दोबारा दर्शन करने पहुंचते हैं। भक्त अपनी श्रद्धा के अनुसार बजरंगबली को चोला, वस्त्र और भोग अर्पित करते हैं। कई श्रद्धालु सवामनी और भंडारे का आयोजन भी कराते हैं। मंदिर में प्रतिदिन सुबह से ही पूजा–अर्चना और दीपक जलाने का सिलसिला शुरू हो जाता है। मंगलवार और शनिवार को विशेष रूप से श्रद्धालुओं की भीड़ रहती है। भक्तों के लिए यह मंदिर केवल पूजा स्थल नहीं, बल्कि विश्वास, संकल्प और आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है।

सम्पादकीय

बचपन में हिंसा के बीज बोकर कैसा भविष्य संवारेंगे हम



पवन गौतम
संपादक

बच्चों के हाथों में कभी खिलौने होते थे, अब हिंसा की समझ विकसित हो रही है। किताबों से दोस्ती कराने की उम्र में यदि बच्चे मारपीट को अपनी ताकत समझने लगें तो दोष केवल उनके व्यवहार का नहीं, उस समाज का भी है जो उन्हें संस्कारों से ज्यादा सुविधाएं परोस रहा है। हरियाणा के पंचकूला में आठ वर्षीय छात्र द्वारा छह साल की विशेष आवश्यकता वाली बच्ची पर किया गया हमला इसी बिगड़ते सामाजिक परिवेश का आईना है। सवाल यह है कि आखिर बचपन इतना आक्रामक कैसे हो रहा है?

विडंबना देखिए, बच्चों की सुरक्षा के नाम पर स्कूलों में सीसीटीवी कैमरे तो लगवा दिए गए, लेकिन निगरानी करने वालों की जिम्मेदारी कौन तय करेगा? कैमरे घटना को कैद कर सकते हैं, रोक नहीं सकते। जब बच्ची पर लगातार हमला होता रहा और किसी शिक्षक या कर्मचारी को भनक तक नहीं लगी तो स्कूलों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठना लाजिमी है। क्या शिक्षा संस्थान अब केवल प्रवेश, परीक्षा और फीस वसूली के केंद्र बनकर रह गए हैं?

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

दूसरी ओर घरों में बच्चों को महंगे मोबाइल और खिलौने देने की होड़ है, लेकिन उनके साथ बैठकर बातचीत करने की फुर्सत नहीं। माता–पिता व्यस्त हैं, बच्चे पर्दे की दुनिया में मस्त हैं। वहां हिंसा मनोरंजन है और वास्तविक जीवन में संवेदना का पाठ पढ़ाने वाला कोई नहीं।

घरों में झगड़े, अपशब्द और गुस्से को सामान्य व्यवहार मानने वाले बड़े बच्चों से शांति और सहिष्णुता की उम्मीद कैसे कर सकते हैं? शिक्षा व्यवस्था का हाल भी कम निराशाजनक नहीं। नैतिक शिक्षा किताबों में है, संवेदनशीलता भाषणों में और सुरक्षा कागजों में। स्कूलों में परामर्शदाता, पर्याप्त शिक्षक और विशेष बच्चों की देखभाल के लिए प्रशिक्षित कर्मचारी कितने हैं, इसकी समीक्षा जरूरी है। बच्चों में आक्रामकता दिखे तो उसे शरारत कहकर टालने के बजाय समय रहते समझना होगा।स् रकार को जांच और कार्रवाई से आगे बढ़कर ठोस व्यवस्था बनानी होगी। अभिभावकों को भी बच्चों को केवल सफल नहीं, संवेदनशील इंसान बनाना होगा। आखिर जिस बचपन में करुणा नहीं, वहां सभ्यता कैसे पनपेगी? स्कूलों में यदि बच्चे सुरक्षित नहीं और घरों में संवाद नहीं, तो भविष्य की सुरक्षा के दावे महज दिखावा हैं। बच्चों को प्रतिस्पर्धा का योद्धा बनाने से पहले इंसान बनाना जरूरी है।

नजरिया

रोशनी की चमक के पीछे छिपा मौत का खतरनाक अंधेरा

बोध प्रकाश सगुणी



दिवाली पर घरों को रोशन करने के लिए बाजारों में झालरें सज गई हैं। दुकानों से लेकर होटलों और सड़कों तक बिजली की चमक दिखाई देने लगी है। लेकिन इस चमक के पीछे छिपे खतरे को लेकर हमारी व्यवस्था कितनी गंभीर है? जिस बिजली के सहारे हम आधुनिक जीवन की कल्पना करते हैं, वही लापरवाही और गैरजिम्मेदारी के कारण मौत का कारण बन रही है। विडंबना यह है कि बिजली का बिल वसूलने में विभाग जितना चुस्त है, उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने में उतना ही सुस्त नजर आता है।

बेंगलुरु के एक पांच सितारा होटल के स्विमिंग पूल में कथित विद्युत प्रवाह से दो विदेशी नागरिकों की मौत और अन्य लोगों के घायल होने की घटना ने आलीशान होटलों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। दूसरी ओर हैदराबाद के निकट खेत में जंगली जानवरों से फसल बचाने के लिए लगाई गई अवैध बिजली की तारबंदी ने दो युवा इंजीनियरिंग विद्यार्थियों की जान ले ली। दोनों घटनाओं की परिस्थितियां अलग हैं, लेकिन इनके पीछे एक ही बीमारी है–लापरवाही को सुविधा और सुरक्षा को औपचारिकता समझने की मानसिकता।

जरा सोचिए, जिस होटल में एक रात ठहरने के लिए हजारों रुपये खर्च करने पड़ते हैं, वहां स्विमिंग पूल की विद्युत सुरक्षा की निगरानी कौन कर रहा था? मेहमानों को आराम, विलासिता और बेहतरीन सुविधाओं का भरोसा देने वाले होटल प्रबंधन के लिए क्या सुरक्षा केवल स्वागत कक्ष में लिखे आकर्षक शब्दों तक सीमित है? जब ग्राहक से भारी रकम वसूली जाती है तो क्या उसकी जान की कीमत भी सेवा शुल्क में शामिल नहीं होनी चाहिए? आखिर आलीशान इमारतें बनाना और सुरक्षा के बुनियादी इंतजाम करना दो अलग–अलग बातें क्यों बन गई हैं?

हमारे यहां किसी भी बड़ी घटना के बाद जांच बैठाने, समिति बनाने और जिम्मेदारी तय करने का आश्वासन देने की परंपरा खूब निभाई जाती है। कुछ दिन समाचारों में चर्चा होती है, अधिकारी बयान देते हैं और फिर जिंदगी पुराने ढर्रे पर लौट आती है। लेकिन हादसे के शिकार परिवारों के लिए जिंदगी कभी पुराने ढर्रे पर नहीं लौटती। उनके घर का चिराग बुझ जाता है और व्यवस्था के पास संवेदना के कुछ शब्दों के अलावा देने के लिए कुछ नहीं बचता। खेतों में लगाई जाने वाली अवैध विद्युत तारबंदी तो लापरवाही की इंतहा है। किसान जंगली जानवरों से फसल बचाना चाहता है, यह उसकी समस्या है और उसका समाधान भी जरूरी है। लेकिन क्या इसका मतलब यह है कि खेत के चारों ओर ऐसा जानलेवा इंतजाम कर दिया जाए, जिससे किसी इंसान की जान भी जा सकती है? फसल की सुरक्षा के नाम पर दूसरों की जिंदगी खतरे में डालना किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता। खेत में घुसने वाला जानवर हो या अनजाने में वहां पहुंचा इंसान, बिजली की तारबंदी किसी की पहचान नहीं करती।

यहां एक बड़ा सवाल वन्यजीवों और मनुष्य के बीच लगातार सिकुड़ते प्राकृतिक संबंधों का भी है। हमने विकास के नाम पर जंगलों और प्राकृतिक आवासों को छोटा किया। पेड़ों की जगह इमारतें खड़ी कर दीं, खुले मैदानों पर कब्जे कर लिए और प्राकृतिक रास्तों को बाधित कर दिया। अब जब जंगली जानवर भोजन की तलाश में खेतों तक पहुंचते हैं तो हम उन्हें अपना दुश्मन मानने लगते हैं। अपनी सुविधाओं के लिए प्रकृति का दायरा घटाने वाले मनुष्य को यह समझना होगा कि प्रकृति से टकराव का समाधान जानलेवा उपाय नहीं हो सकता। दरअसल बिजली का इस्तेमाल अब इतना सामान्य हो गया है कि उसके खतरे को लेकर हमारी सतर्कता कम होती जा रही है। घरों में खराब तार, दुकानों में अनधिकृत जोड़, बाजारों में लटकते बिजली के तार, निर्माण स्थलों पर असुरक्षित उपकरण और खेतों में अवैध तारबंदी आम दृश्य बनते जा रहे हैं। कहीं तारों पर टेप लगाकर काम चलाया जाता है तो कहीं सुरक्षा उपकरणों के बिना बिजली का इस्तेमाल होता है। जब तक कोई हादसा नहीं होता, तब तक सब कुछ ठीक दिखाई देता है। हादसे के बाद वही व्यवस्था सक्रिय होती है, जो उससे पहले आंखें मूंदे बैठी थी।

बिजली विभाग की जिम्मेदारी केवल उपभोक्ता तक बिजली पहुंचाने और समय पर बिल वसूलने तक सीमित नहीं हो सकती। विद्युत सुरक्षा के लिए नियमित निरीक्षण, अवैध उपयोग पर कार्रवाई और खतरनाक प्रतिष्ठानों की जांच अनिवार्य होनी चाहिए। होटलों, अस्पतालों, विद्यालयों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और सार्वजनिक स्थलों पर विद्युत सुरक्षा का नियमित परीक्षण होना चाहिए। स्विमिंग पूल जैसे स्थानों पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी को गंभीर प्रशासनिक चूक माना जाना चाहिए। केवल प्रमाणपत्र हासिल कर लेना पर्याप्त नहीं, वास्तविक स्थिति की जांच भी जरूरी है।

कृषि विभाग और बिजली वितरण कंपनियों को भी मिलकर खेतों में अवैध विद्युत तारबंदी रोकनी होगी। किसानों को फसल बचाने के सुरक्षित विकल्प उपलब्ध कराने होंगे। केवल जुर्माना लगाने से समस्या समाप्त नहीं होगी, बल्कि ऐसी व्यवस्था बनानी होगी जिसमें किसान की फसल भी सुरक्षित रहे और किसी राहगीर की जिंदगी भी खतरे में न पड़े। इसके साथ ही स्थानीय प्रशासन को नियमित निगरानी और शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि हम बिजली से चलने वाले उपकरणों को आधुनिकता का प्रतीक मानते हैं, लेकिन उनके सुरक्षित इस्तेमाल की जिम्मेदारी को अक्सर भूल जाते हैं। घर में बिजली का बिल बढ़ जाए तो उपभोक्ता तुरंत विभाग पहुंच जाता है, मगर बिजली के खंभे से लेकर घर के भीतर तक सुरक्षा व्यवस्था कैसी है, इसकी चिंता बहुत कम लोगों को होती है। विभाग भी उपभोक्ता की शिकायत पर तब तक गंभीर नहीं होता, जब तक मामला बड़ा न बन जाए।

अब समय आ गया है कि विद्युत सुरक्षा को केवल तकनीकी विषय नहीं, बल्कि सार्वजनिक जीवन की अनिवार्य जिम्मेदारी माना जाए। इसके लिए स्पष्ट कानून, नियमित विद्युत सुरक्षा परीक्षण, दोषियों पर कठोर कार्रवाई और विभागीय अधिकारियों की जवाबदेही तय करनी होगी। त्योहारों पर रोशनी की सजावट से पहले सुरक्षा की व्यवस्था जरूरी है। आखिर दिवाली का उद्देश्य घरों में खुशियां लाना है, किसी परिवार के जीवन में अंधेरा भरना नहीं।

बिजली सुविधा है, किसी को मौत बांटने का अधिकार नहीं। जिस ऊर्जा ने हमारे जीवन को आसान बनाया है, उसे लापरवाही का हथियार बनने से रोकना होगा। सवाल यह नहीं कि बिजली कितनी शक्तिशाली है, सवाल यह है कि उसकी ताकत के सामने हमारी जिम्मेदारी कितनी कमजोर है।

विचार विंडो

यमुना में डुबकी लगाएगी आस्था, क्या जवाब देगा प्रशासन

राम प्रकाश अग्रवाल



यमुनाद्वितीया का पर्व आते ही मथुरा–वृंदावन में आस्था का सैलाब उमड़ने की तैयारी शुरू हो जाती है। भाई–बहन के पवित्र रिश्ते से जुड़े इस पर्व पर हजारों श्रद्धालु यमुना में स्नान कर पुण्य कमाने आते हैं। मान्यता है कि यमराज अपनी बहन यमुना के घर पहुंचे थे और उनके आतिथ्य से प्रसन्न होकर वरदान दिया था। तभी से यम द्वितीया पर यमुना स्नानकी परंपरा चली आ रही है। लेकिन इस बार सवाल यह है कि श्रद्धालु जिस यमुना को मां मानकर उसमें डुबकी लगाने पहुंचेंगे, क्या वह स्नान योग्य भी है? नदी में फैली गंदगी, प्रदूषण और खुले नालों से गिरता दूषित पानी आस्था की इस परंपरा पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

विडंबना देखिए, एक तरफ प्रशासन यमुनाद्वितीया पर श्रद्धालुओं की भीड़ संभालने के लिए बैठकें करेगा, पुलिस बल तैनात होगा, यातायात व्यवस्था बनाई जाएगी और घाटों पर व्यवस्थाओं के दावे होंगे। दूसरी तरफ जिस नदी में स्नान करने के लिए श्रद्धालु दूर–दूर से आएंगे, उसकी सफाई का सवाल अब भी अधूरा है। क्या प्रशासन के लिए पर्व का अर्थ केवल भीड़ नियंत्रण, बैरिकेडिंग और अधिकारियों की ड्यूटी लगाना रह गया है? क्या यमुना की स्वच्छता किसी सरकारी कार्ययोजना के बजाय केवल धार्मिक आयोजनों के भाषणों तक सीमित है?

यमुना के घाटों पर गंदगी और नदी में गिरते खुले नाले किसी एक दिन की समस्या नहीं हैं। जगह–जगह नालों का दूषित पानी नदी को मैला कर रहा है। पूजा सामग्री, कूड़ा–कचरा और अन्य अपशिष्ट भी स्थिति को और खराब करते हैं। नदी की दुर्दशा देखकर सवाल उठता है कि आखिर इतने वर्षों में यमुना को स्वच्छ बनाने के नाम पर किए गए प्रयासों का परिणाम कहां है? योजनाएं बनीं, बजट खर्च हुआ, घोषणाएं हुईं और निरीक्षण भी हुए, लेकिन नदी तक पहुंचने वाला गंदा पानी बंद नहीं हुआ तो इन तमाम प्रयासों का लाभ किसे मिला?

सबसे बड़ा सवाल उन खुले नालों का है, जो लगातार यमुना को प्रदूषित कर रहे हैं। जब प्रशासन को पता है कि कौन–कौन से नाले नदी में गिर रहे हैं, तो उन्हें रोकने के लिए स्थायी इंतजाम क्यों नहीं किए गए? क्या नालों को रोकने के लिए किसी बड़े हादसे या जनआंदोलन का इंतजार है? सीवर शोधन संयंत्रों की क्षमता, उनकी कार्यप्रणाली और नालों को उनसे जोड़ने की व्यवस्था की नियमित जांच क्यों नहीं होती? केवल कागजों पर शोधन और जमीन पर प्रदूषण का खेल कब तक चलेगा?

मथुरा की पहचान यमुना से है। श्रीकृष्ण की लीलाओं से लेकर ब्रज की धार्मिक परंपराओं तक यमुना का विशेष स्थान है। यहां आने वाला श्रद्धालु केवल मंदिरों के दर्शन करने नहीं आता, वह यमुना के दर्शन और स्नान को भी अपनी यात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा मानता है। ऐसे में यदि नदी की हालत ऐसी हो कि श्रद्धालु स्नान करने से पहले पानी की स्वच्छता को लेकर चिंतित हो जाएं तो यह केवल पर्यावरण की समस्या नहीं, ब्रज की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान का भी प्रश्न है।

प्रशासन हर पर्व पर घाटों की सफाई, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल और सुरक्षा के इंतजामों की सूची जारी करता है। लेकिन नदी में गिरते गंदे पानी को रोकना सबसे पहली प्राथमिकता क्यों नहीं बनता? घाटों पर झाड़ू लगाकर तस्वीरें खिंचवाने से नदी स्वच्छ नहीं होती। नदी की सफाई का अर्थ केवल किनारों से कूड़ा हटाना नहीं, बल्कि उसमें पहुंचने वाले प्रदूषण के स्रोतों को बंद करना है। जब तक नाले सीधे यमुना में गिरते रहेंगे, तब तक घाटों की सफाई का अभियान दिखावटी ही रहेगा।

यमुनाद्वितीया से पहले प्रशासन को तत्काल सभी प्रमुख घाटों की सफाई, खुले नालों से आने वाले दूषित पानी की रोकथाम और पानी की गुणवत्ता की जांच करानी चाहिए। स्नान योग्य स्थिति की वैज्ञानिक जांच हो और उसके परिणाम सार्वजनिक किए जाएं। यदि किसी घाट पर पानी स्नान के लिए सुरक्षित नहीं है तो श्रद्धालुओं को स्पष्ट सूचना दी जाए। धार्मिक भावनाओं का सम्मान करने का अर्थ लोगों की सुरक्षा से समझौता करना नहीं है। नगर निगम, प्रदूषण नियंत्रण विभाग, जल निगम और संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों की जिम्मेदारी भी स्पष्ट होनी चाहिए।

यह भी जरूरी है कि यमुना की सफाई को केवल त्योहारों के आसपास चलने वाला अभियान न बनाया जाए। साल के बारह महीने नदी में प्रदूषण रोकने की निगरानी हो। नालों को शोधन संयंत्रों से जोड़ने, उनकी क्षमता बढ़ाने और नियमित संचालन की व्यवस्था की जाए। जो संस्थाएं या लोग नदी में कचरा और दूषित पानी डालते हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई हो। साथ ही नागरिकों को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। पूजा सामग्री और कूड़ा नदी में डालकर फिर सरकार से स्वच्छ यमुना की मांग करना भी विरोधाभास है।

यमुना के नाम पर आस्था की राजनीति और स्वच्छता के वादे बहुत हो चुके। अब जरूरत परिणाम दिखाने की है। यमुनाद्वितीया पर श्रद्धालु बहन यमुना के आशीर्वाद की कामना लेकर आएंगे, लेकिन प्रशासन को बताना होगा कि उसने इस बहन की नदी को साफ रखने के लिए क्या किया? आखिर कैसी विडंबना है कि जिस यमुना को मां कहकर पूजा जाता है, उसी में गंदे नालों का पानी बेरोकटोक उड़ेला जा रहा है।

इस बार यमुनाद्वितीया पर श्रद्धालु यमुना में आस्था की डुबकी लगाएंगे या प्रदूषण की चिंता लेकर लौटेंगे? प्रशासन को इसका जवाब भाषणों और आश्वासनों से नहीं, साफ पानी और बंद नालों से देना होगा। यमुना केवल नदी नहीं, ब्रज की जीवनरेखा और आस्था है। इसे स्वच्छ रखना कोई एहसान नहीं, व्यवस्था की जिम्मेदारी है।

आईपीएल 2027 : रिटेंशन की तारीख बढ़ी, अब 17 नवंबर तक मौका

बीसीसीआई ने फ्रेंचाइजियों को दी दो दिन की अतिरिक्त मोहलत

16 दिसंबर को गोवा में होगा मिनी ऑक्शन



यूनिक समय, नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 के मिनी ऑक्शन से पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सभी 10 फ्रेंचाइजियों को बड़ी राहत दी है। बोर्ड ने खिलाड़ियों को रिटेन और रिलीज करने की अंतिम तारीख दो दिन बढ़ा दी है। अब टीमें 17 नवंबर तक अपनी रिटेंशन लिस्ट सौंप सकेंगी। इससे पहले इसकी आखिरी तारीख 15 नवंबर निर्धारित की गई थी। हालांकि, ऑक्शन की तारीख और स्थान में कोई बदलाव नहीं किया गया है। खिलाड़ियों की नीलामी 16 दिसंबर को गोवा में ही आयोजित होगी। बीसीसीआई ने यह फैसला भारत और न्यूजीलैंड के बीच 15 नवंबर को होने वाले पांचवें और आखिरी वनडे मुकाबले को ध्यान में रखते हुए लिया है। यह मैच न्यूजीलैंड के माउंट माउंगानुई स्थित बे ओवल मैदान पर खेला जाएगा।

ऐसे में फ्रेंचाइजियों को खिलाड़ियों के भविष्य पर फैसला लेने के लिए दो दिन का अतिरिक्त समय मिल गया है। आईपीएल में रिटेंशन का मतलब उन खिलाड़ियों को टीम में बनाए रखना है, जिन्हें फ्रेंचाइजी अगले सीजन में भी अपने साथ रखना चाहती है।

वहीं, रिलीज का मतलब खिलाड़ियों को टीम से बाहर करना है। रिलीज किए गए खिलाड़ी मिनी ऑक्शन में शामिल होंगे और दूसरी टीमें बोली लगाकर उन्हें खरीद सकेंगी। रिटेन किए गए खिलाड़ियों को दोबारा नीलामी में शामिल नहीं होना पड़ेगा। आईपीएल 2027 में मिनी ऑक्शन आयोजित किया जाएगा। इसमें टीमों को अपना पूरा स्क्वॉड बदलने की जरूरत नहीं होगी।

फ्रेंचाइजियां अपने ज्यादातर पुराने खिलाड़ियों को बरकरार रखते हुए जरूरत के हिसाब से नए खिलाड़ियों को खरीद सकेंगी। उदाहरण के तौर पर किसी टीम को तेज गेंदबाज, ओपनर या मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज की जरूरत है तो वह उसी हिसाब से बोली लगाएगी।

इसके उलट मेगा ऑक्शन में टीमों को बड़े स्तर पर अपना स्क्वॉड तैयार करना पड़ता है। खास बात यह है कि 16 दिसंबर को ही भारत और श्रीलंका के बीच वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाना है। इसके बावजूद बीसीसीआई ने आईपीएल ऑक्शन की तारीख में बदलाव नहीं किया है।

तुषार कपूर को मिली पांच करोड़ की धमकी

बिश्नोई गैंग के नाम पर मांगी फिरौती

फोन करने वाले ने खुद को बताया हैरी बॉक्सर

आवाज का मिलान नहीं होने पर पुलिस को फर्जी कॉल का शक



यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता तुषार कपूर से 5 करोड़ रुपये की फिरौती मांगने का मामला सामने आया है। फोन करने वाले शख्स ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य हैरी बॉक्सर बताया और अभिनेता को धमकी देते हुए रकम की मांग की। तुषार कपूर ने करीब एक सप्ताह पहले इस मामले की शिकायत मुंबई पुलिस से की थी। इसके बाद जांच एंटी-एक्सटॉर्शन सेल और क्राइम ब्रांच को सौंप दी गई। मुंबई क्राइम ब्रांच की शुरुआती जांच में इस धमकी भरी कॉल के फर्जी होने का शक जताया गया है। जांचकर्ताओं ने कॉल की ऑडियो रिकॉर्डिंग की तकनीकी जांच की और उसमें मौजूद आवाज का मिलान हैरी बॉक्सर के उपलब्ध आधिकारिक ऑडियो सैंपल से किया। शुरुआती जांच में दोनों आवाजों के बीच समानता नहीं मिली। इससे पुलिस को आशंका है कि किसी व्यक्ति ने बिश्नोई गैंग के नाम का इस्तेमाल कर अभिनेता को डराने और पैसे ऐंठने की कोशिश की है। फिलहाल पुलिस कॉल करने वाले की पहचान और उसके पीछे की असली वजह का पता लगा रही है। हालांकि, इस मामले में अभी तक एफआईआर दर्ज नहीं हुई है। यह मामला अभिनेता टाइगर श्रॉफ से जुड़ी जुहू फायरिंग की घटना के कुछ सप्ताह बाद सामने आया है।

फिल्ममेकर फराह खान के आलीशान घर की झलक



फिल्ममेकर ने दिखाया लग्जरी हैंडबैग कलेक्शन

सात बेडरूम और प्राइवेट स्विमिंग पूल वाले घर का कराया टूर

यूनिक समय, नई दिल्ली। फिल्ममेकर और कोरियोग्राफर फराह खान ने पहली बार अपने मुंबई स्थित आलीशान घर की झलक दिखाई है। लोखंडवाला के ओबेरॉय स्काई हाइट्स में बने उनके तीन मंजिला घर में सात बड़े बेडरूम, प्राइवेट स्विमिंग पूल और वर्सोवा बीच का खूबसूरत नजारा देखने को मिलता है। फराह ने अपने होम टूर के दौरान बेडरूम से लेकर किचन और वर्कस्पेस तक सब कुछ दिखाया। उनका बेडरूम हाल ही में रेनोवेट किया गया है, जिसमें वॉलनट रंग की दीवारें, भूरे रंग की फ्लोरिंग और स्टाइलिश वैनिटी है। इसके अलावा फराह ने अपना लग्जरी हैंडबैग कलेक्शन भी दिखाया, जिसमें लुई वुइटन, डायर, गुच्ची और सेंट लॉरेंट जैसे ब्रांड्स के बैग शामिल हैं। इनमें से ज्यादातर बैग उन्हें करण जौहर ने गिफ्ट किए हैं। करण ने बताया कि फराह उनके गानों की कोरियोग्राफी के लिए पैसे नहीं लेतीं, इसलिए वह उन्हें ये तोहफे देते हैं। वहीं, उनके घर में रखा हर्मेस का गोल्ड टार्ट प्लैटर भी चर्चा में रहा, जिसे रिद्धिमा कपूर साहनी ने गिफ्ट किया था। फराह ने अपने अवॉर्ड्स से सजे वर्कस्पेस और सफेद थीम वाले किचन की झलक भी दिखाई।

भतीजे की मौत से टूटे हनी सिंह पिता को गले लगाकर रोए



जालंधर पहुंचकर परिवार से मिले रैपर

विदित की मौत पर भावुक हुए हनी सिंह का वीडियो वायरल

यूनिक समय, नई दिल्ली। मशहूर रैपर और सिंगर यो यो हनी सिंह अपने भतीजे विदित औलख की मौत से गहरे सदमे में हैं। भतीजे के निधन की खबर ने उन्हें तोड़कर रख दिया है। हाल ही में हनी सिंह जालंधर पहुंचे, जहां उन्होंने शोकाकुल परिवार से मुलाकात की। इस दौरान का एक भावुक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें हनी सिंह अपने भतीजे के पिता को गले लगाकर रोते नजर आ रहे हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि परिवार के सदस्य विदित की मौत से बेहद दुखी हैं। हनी सिंह भी खुद को संभाल नहीं पाए और अपने रिश्तेदार को गले लगाकर भावुक हो गए। उनके चेहरे पर दर्द और आंखों में आंसू साफ दिखाई दे रहे हैं। इस मुश्किल घड़ी में उन्होंने परिवार के साथ खड़े होकर उन्हें सांत्वना दी। हनी सिंह के इस भावुक वीडियो को देखकर उनके प्रशंसक भी दुख जता रहे हैं। सोशल मीडिया पर लोग परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कर रहे हैं और दिवंगत विदित की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना कर रहे हैं।

जायसवाल का शतक सुदर्शन-पडिक्कल फ्लॉप

न्यूजीलैंड-ए के खिलाफ 119 गेंदों में पूरी की सेंचुरी

भारत-ए ने दूसरी पारी में बनाई मजबूत बढ़त



यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत-ए और न्यूजीलैंड-ए के बीच खेले जा रहे दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट में युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने शानदार शतक लगाकर अपनी फॉर्म में वापसी के संकेत दिए हैं। उन्होंने महज 119 गेंदों में छक्का लगाकर अपनी सेंचुरी पूरी की। वहीं, साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल इस मुकाबले में बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। जायसवाल ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। इससे पहले सीरीज के पहले मुकाबले में उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा था। उन्होंने पहली पारी में 17 और दूसरी पारी में सिर्फ 5 रन बनाए थे। ऐसे में इस शतक से उन्हें काफी राहत मिली होगी। दूसरी ओर, साई सुदर्शन 34 गेंदों में महज 11 रन बनाकर आउट हो गए, जबकि देवदत्त पडिक्कल अपना खाता भी नहीं खोल सके। मुकाबले की पहली पारी में भारत ए ने 346 रन बनाए थे, जिसके जवाब में न्यूजीलैंड-ए ने 424 रन बनाकर बढ़त हासिल की थी। अब दूसरी पारी में भारतीय टीम 250 से ज्यादा रन बना चुकी है और उसकी कुल बढ़त मजबूत हो गई है। मैच के चौथे दिन होने के कारण मुकाबले के ड्रॉ होने की संभावना भी जताई जा रही है।

छह साल बाद न्यूजीलैंड में साथ उतरेंगे रोहित-विराट

कोहली का शानदार रिकॉर्ड, रोहित को पहले वनडे शतक का इंतजार

2027 वर्ल्ड कप के लिए अहम होगी सीरीज



यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली करीब छह साल बाद न्यूजीलैंड की धरती पर एक साथ वनडे खेलते नजर आएंगे। दोनों आखिरी बार 29 फरवरी 2020 को हैमिल्टन में टी-20 मुकाबले में साथ उतरे थे। अब 4 नवंबर से शुरू होने वाली पांच मैचों की वनडे सीरीज में दोनों के प्रदर्शन पर सभी की नजरें रहेंगी। टेस्ट और टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास लेने के बाद दोनों अब सिर्फ वनडे खेल रहे हैं। ऐसे में यह सीरीज 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करने का बड़ा मौका है। न्यूजीलैंड की परिस्थितियों में तेज गेंदबाजों को स्विंग और उछाल का फायदा मिलता है। हालांकि, यहां विराट कोहली का रिकॉर्ड रोहित से बेहतर है। कोहली ने न्यूजीलैंड में 13 वनडे मैचों में 49.66 की औसत से 596 रन बनाए हैं। इसमें एक शतक और चार अर्धशतक शामिल हैं। वह 600 रन पूरे करने से सिर्फ चार रन दूर हैं। वहीं, रोहित ने 14 मैचों में 437 रन बनाए हैं। उनके नाम चार अर्धशतक हैं, लेकिन वह अब तक न्यूजीलैंड में वनडे शतक नहीं लगा सके हैं। कोहली ने न्यूजीलैंड में अपना इकलौता वनडे शतक 2014 में नेपियर में लगाया था। उन्होंने 123 रन की पारी खेली थी। दूसरी ओर, रोहित का सर्वश्रेष्ठ स्कोर 87 रन है। 2027 वर्ल्ड कप को देखते हुए दोनों खिलाड़ियों के लिए यह दौरा काफी अहम है। चयनकर्ताओं की नजर उनके प्रदर्शन पर रहेगी।

ग्लेन मैक्सवेल ने इंटरनेशनल क्रिकेट को कहा अलविदा

टी-20 में ऑस्ट्रेलिया के तीसरे सबसे बड़े स्कोरर रहे मैक्सवेल

मेलबर्न स्टार्स के लिए खेलते रहेंगे बिग बैश लीग



यूनिक समय, नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया है। 38 साल के मैक्सवेल ने टी-20 इंटरनेशनल को भी अलविदा कह दिया है। इससे पहले वह जून 2025 में वनडे क्रिकेट से संन्यास ले चुके थे। उन्होंने लिस्ट-ए और फर्स्ट क्लास क्रिकेट से भी दूरी बना ली है। हालांकि, वह घरेलू टी-20 टूर्नामेंट बिग बैश लीग में मेलबर्न स्टार्स के लिए खेलते रहेंगे। टीम के साथ उनका कॉन्ट्रैक्ट 2027-28 सीजन तक है। मैक्सवेल ने अपना आखिरी इंटरनेशनल मुकाबला फरवरी 2026 में टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान ओमान के खिलाफ खेला था। उन्होंने 2012 में पाकिस्तान के खिलाफ टी-20 इंटरनेशनल डेब्यू किया था। अपने करियर में उन्होंने 130 मैचों में 2,897 रन बनाए और पांच शतक लगाए। वह ऑस्ट्रेलिया के लिए इस फॉर्मेट में तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। भारत के रोहित शर्मा के नाम भी टी-20 इंटरनेशनल में पांच शतक हैं। मैक्सवेल ने बताया कि उनके भविष्य को लेकर टीम मैनेजमेंट के साथ काफी समय से बातचीत चल रही थी। उन्होंने कहा कि संन्यास को लेकर उन पर कोई दबाव नहीं था और टीम नए खिलाड़ियों को मौका देना चाहती थी। मैक्सवेल फिलहाल घुटने की चोट से उबरने के लिए आठ सप्ताह तक रिहैब करेंगे। उनका लक्ष्य बिग बैश लीग के आगामी सीजन के लिए फिट होना है।

जलपरी शो के दौरान फटा 20 हजार लीटर पानी का टैंक, 15 घायल

कांच टूटते ही दर्शकों पर बरसा पानी और शीशे के टुकड़े

चार बच्चों को आई चोट आयोजक और केयरटेकर फरार



यूनिक समय, बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में दादा मियां उर्स मेले के दौरान सोमवार देर रात बड़ा हादसा हो गया। फखरपुर थाना क्षेत्र के खालिदपुर गांव में आयोजित मेले में जलपरी शो देखते समय अचानक पानी से भरे विशाल ग्लास टैंक का शीशा टूट गया। टैंक में करीब 20 हजार लीटर पानी भरा था। कांच टूटते ही पानी और शीशे के टुकड़े दर्शकों की तरफ जा गिरे, जिससे मौके पर अफरा–तफरी मच गई। हादसे में चार बच्चों समेत कुल 15 लोग घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल दो बच्चों को मेडिकल कॉलेज बहराइच रेफर किया गया है। जानकारी के मुताबिक, शो देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, उस समय टैंक के सामने करीब 20 से 25 लोग मौजूद थे। अचानक तेज धमाके जैसी आवाज हुई और शीशा टूटकर बिखर गया। टैंक के अंदर जलपरी का किरदार निभा रही युवती भी घायल हो गई। घायल बच्चों की पहचान अर्श (8), बुरुऊ(7), अहद खान (8) और मोहम्मद सादिक (9) के रूप में हुई है। सभी खालिदपुर गांव के रहने वाले हैं। घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फखरपुर पहुंचाया गया। दो बच्चों की हालत गंभीर होने पर उन्हें मेडिकल कॉलेज भेजा गया, जबकि अन्य को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। प्रत्यक्षदर्शी सलीम खान के मुताबिक, शो देखने के लिए 50 रुपये का टिकट लिया गया था। हादसे के बाद आयोजक और केयरटेकर मौके से भाग गए। घटना के बाद मेले की सुरक्षा व्यवस्था और शो के लिए जरूरी तकनीकी जांच पर सवाल उठ रहे हैं। अपर पुलिस अधीक्षक आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि सभी घायलों का इलाज कराया गया है। आयोजक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उसकी तलाश की जा रही है।

मैनपुरी में पुलिस–बदमाशों के बीच मुठभेड़, लूटकांड का आरोपी गिरफ्तार

पुलिस की जवाबी फायरिंग में बदमाश के पैर में लगी गोली

लूटी गई कार और चालक का मोबाइल बरामद



यूनिक समय, मैनपुरी। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस दौरान पुलिस की जवाबी फायरिंग में लूटकांड का वांछित आरोपी राजा उर्फ हनी उर्फ अभिमन्यु घायल हो गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। वहीं, उसके दो साथी छोटू और ध्रुव मौके से फरार हो गए, जिनकी तलाश की जा रही है। दरअसल, 26 और 27 अक्टूबर की रात औरैया से बुक कराई गई हुंडई ऑरा कार को मैनपुरी के कुरावली थाना क्षेत्र में बदमाशों ने लूट लिया था। आरोपियों ने चालक का मोबाइल फोन भी छीन लिया था। घटना के खुलासे के लिए एसपी गणेश प्रसाद साहा ने पांच पुलिस टीमों का गठन किया था। 2 नवंबर की रात पुलिस कुरावली क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक सफेद कार को रोकने की कोशिश की गई तो उसमें सवार बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में राजा के पैर में गोली लगी और उसे पकड़ लिया गया। पुलिस ने आरोपी के पास से 315 बोर का तमंचा, तीन जिंदा कारतूस और एक खोखा बरामद किया है। साथ ही लूटी गई कार और चालक का मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया गया है। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश दे रही है।

कानपुर से कई राज्यों तक अवैध असलहों की सप्लाई

सेफ कस्टडी के नाम पर चल रहा था खेल

बिहार–झारखंड समेत कई राज्यों में बेचे गए हथियार और कारतूस

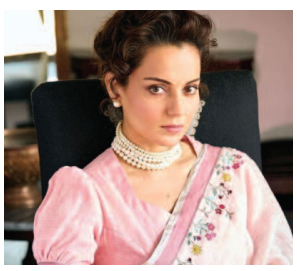


यूनिक समय, कानपुर। कानपुर में असलहा विक्रेताओं द्वारा सेफ कस्टडी के नियम का दुरुपयोग कर हथियारों और कारतूसों की अवैध बिक्री किए जाने का मामला सामने आया है। सोमवार देर रात पुलिस ने मूलगंज स्थित हैरिस गन हाउस की जांच की तो कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। जांच में पता चला कि गन हाउस ने पांच महीने के भीतर 153 नई और पुरानी बंदूकें बेचीं। इस दौरान 37,432 कारतूस खरीदे गए, जिनमें से 20,357 कारतूस बेच दिए गए। मामले का खुलासा जौनपुर में पकड़े गए एक गिरोह से हुआ। पुलिस ने गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके पास से दो 12 बोर बंदूकें, 210 कारतूस, .22 बोर राइफल, प्रतिबंधित 9 एमएम पिस्टल और .45 बोर ग्लॉक पिस्टल समेत नकदी व मोबाइल बरामद किए थे। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने हथियार और कारतूस कानपुर के हैरिस गन हाउस से खरीदे थे। इसके बाद जौनपुर पुलिस संचालक अब्बास अली को पूछताछ के लिए अपने साथ ले गई। डीसीपी पूर्वी सत्यजीत गुप्ता के मुताबिक, सेफ कस्टडी के नाम पर सात से आठ लोगों की एक चेन के जरिए खरीद–बिक्री की आशंका है। रिकॉर्ड के अनुसार, हथियार बिहार, झारखंड, मध्यप्रदेश और राजस्थान समेत कई राज्यों में भेजे गए। पुलिस अब संबंधित दुकानदारों और हथियारों के रिकॉर्ड का मिलान कर रही है।

'गटर जेनरेशन' टिप्पणी मामले में कंगना रनौत को राहत

छात्र आंदोलनकारियों पर सोशल मीडिया टिप्पणी को अदालत ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के दायरे में माना

परिवादी को नहीं माना पीड़ित



यूनिक समय, आगरा । छात्र आंदोलन में शामिल प्रदर्शनकारियों को 'गटर जेनरेशन' कहने के मामले में भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत को बड़ी राहत मिली है। आगरा की सत्र अदालत ने उनके खिलाफ दायर रिवीजन याचिका को खारिज कर दिया। जिला जज संजय कुमार मलिक ने इसे पोषणीय नहीं मानते हुए शुरुआती स्तर पर ही निरस्त करने का आदेश दिया। न्यू लॉयर्स कॉलोनी निवासी अधिवक्ता रमाशंकर शर्मा ने कंगना के खिलाफ परिवाद दाखिल किया था। उनका आरोप था कि नीट समेत कई परीक्षाओं के पेपर लीक होने के विरोध में छात्रों ने दिल्ली के जंतर–मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया था। 20 जुलाई 2026 को प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज और आंसू गैस का इस्तेमाल हुआ। इसके बाद 27 जुलाई को कंगना ने सोशल मीडिया पर आंदोलनकारी छात्रों के लिए कथित तौर पर अमर्यादित टिप्पणी की थी। अधीनस्थ अदालत ने 3 सितंबर को परिवाद खारिज कर दिया था, जिसके खिलाफ अधिवक्ता ने रिवीजन दाखिल किया। सत्र न्यायालय ने कहा कि सार्वजनिक मुद्दों पर की गई कठोर या विवादास्पद टिप्पणी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के दायरे में आ सकती है और अपने आप में अपराध नहीं बनती। अदालत के मुताबिक परिवादी न तो इस घटना का पीड़ित है और न ही व्यथित व्यक्ति। इसलिए उसे परिवाद दाखिल करने का विधिक अधिकार नहीं था।

छेड़छाड़ से परेशान 11वीं की छात्रा ने दी जान, पिता लगाता रहा थाने के चक्कर

लखनऊ में आरोपी छह महीने से कर रहा था परेशान

शिकायतों पर कार्रवाई नहीं करने वाले चौकी प्रभारी सस्पेंड

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊके मलिहाबाद में छेड़छाड़ से परेशान 15 साल की 11वीं की छात्रा ने सोमवार को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों का आरोप है कि आरोपी युवक पिछले छह महीने से उसे परेशान कर रहा था। पिता लगातार पुलिस चौकी और थाने के चक्कर लगाते रहे, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी हंस कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, कसमंडी कला चौकी प्रभारी विवेक कुमार को निलंबित कर दिया गया है। छात्रा के पिता के मुताबिक, आरोपी 20 मई को उनके साथ मारपीट कर चुका था। इस हमले में उनके चेहरे पर चाकू लगा था और तीन टांके आए थे। इसके बाद 13 अक्टूबर को आरोपी घर में घुस गया और अकेली बेटी के साथ छेड़छाड़ व मारपीट की। उसने परिवार को धमकियां भी दी थीं। सोमवार दोपहर जब परिवार बाजार से लौटा तो घर का दरवाजा अंदर से बंद मिला। दरवाजा खोलने पर छात्रा का शव कमरे में फंदे से लटका मिला। परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। डीसीपी अमित आनंद के मुताबिक, आरोपी के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मुकदमा दर्ज किया गया है। चौकी प्रभारी की भूमिका की जांच भी की जा रही है।

शिवराज बोले– मोदी भगवान का वरदान ऐसे नारे लगाओ कि राहुल कांप जाएं



लखनऊ में भाजपा की 'लोकतंत्र बचाओ' पदयात्रा

अखिलेश से वोटर लिस्ट पर सवाल, बरेली में नड्डा और जयंत चौधरी भी हुए शामिल

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मंगलवार को भाजपा ने विपक्ष के एसआईआर विरोध के जवाब में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के तहत पदयात्रा निकाली। लखनऊ और बरेली में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक सड़कों पर उतरे। लखनऊ में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पदयात्रा का नेतृत्व किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि मोदी देश के मुकुट मणि और भगवान का वरदान हैं। शिवराज ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि चुनाव में मोदी को हरा नहीं पाने के कारण विपक्ष षडयंत्र रच रहा है। एसआईआर के मुद्दे पर उन्होंने सपा प्रमुख अखिलेश यादव से सवाल किया कि अगर किसी व्यक्ति का नाम दो जगह मतदाता सूची में दर्ज है, तो क्या उसे एक जगह से हटाया नहीं जाना चाहिए? उन्होंने दावा किया कि बंगाल से राजस्थान तक विपक्ष को हार मिली है और फरवरी में अखिलेश यादव भी चुनाव में हार जाएंगे। बरेली में भाजपा की पदयात्रा में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य शामिल हुए। जयंत चौधरी ने विपक्ष की तुलना क्रिकेट में हारी हुई टीम से करते हुए कहा कि हारने के बाद विपक्ष अंपायर पर आरोप लगाने लगता है। वहीं, लखनऊ में उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने विपक्ष पर संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ माहौल बनाने का आरोप लगाया। भाजपा का यह अभियान 22 अक्टूबर से 5 नवंबर तक चलाया जा रहा है।

डार्क वेब से देशभर में नेटवर्क चला रहा था रमीजुद्दीन

केजीएमयू मतांतरण मामले में जांच तेज

साथियों को टास्क देने और महिलाओं को जाल में फंसाने के तरीके बताने का आरोप



यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ के केजीएमयू मतांतरण मामले की जांच में एसटीएफ को कई अहम जानकारियां मिली हैं। जांच एजेंसी के मुताबिक, मामले का आरोपित रमीजुद्दीन डार्क वेब के जरिए देशभर में अपने साथियों के संपर्क में रहता था।

वह उनके साथ बातचीत करने के अलावा उन्हें अलग–अलग टास्क भी देता था। आरोप है कि वह साथियों को महिलाओं को अपने जाल में फंसाने और उनका विश्वास जीतने के नए–नए तरीके भी बताता था। अब एसटीएफ उसके नेटवर्क और गतिविधियों की जानकारी जुटाने के लिए डिजिटल साक्ष्यों की जांच कर रही है।

एसटीएफ ने रमीजुद्दीन के लैपटॉप का डेटा जुटाया है। एजेंसी इसमें मौजूद संपर्कों, बातचीत और अन्य तकनीकी जानकारियों को खंगाल रही है। जांच अधिकारियों को उम्मीद है कि लैपटॉप से उसके नेटवर्क में शामिल लोगों और उनकी भूमिका के बारे में महत्वपूर्ण सुराग मिल सकते हैं।

एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि डार्क वेब के जरिए वह किन लोगों से संपर्क करता था, उन्हें क्या जिम्मेदारियां देता था और देश के अलग–अलग शहरों में उसके कितने साथी सक्रिय थे। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि इस पूरे नेटवर्क में उसकी मदद कौन कर रहा था।

दरअसल, दिसंबर 2025 में केजीएमयू की एक महिला डॉक्टर ने रमीजुद्दीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। महिला डॉक्टर ने उस पर मतांतरण के लिए दबाव बनाने, प्रताड़ित करने और दुष्कर्म समेत कई गंभीर आरोप लगाए थे। मामले में लव जिहाद और मतांतरण के आरोपों के सामने आने के बाद जांच एसटीएफ को सौंप दी गई थी। अब जांच एजेंसी अन्य डॉक्टरों, कर्मचारियों और कथित मददगारों की भूमिका भी खंगाल रही है।

डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि रमीजुद्दीन का नेटवर्क लखनऊ से बाहर कितनी दूर तक फैला था और इसमें कौन–कौन लोग शामिल थे। लैपटॉप से मिलने वाली जानकारियां जांच की दिशा में अहम साबित हो सकती हैं।

सुप्रीम कोर्ट बोला–प्रदर्शन स्थल पर किसी एक संगठन का कब्जा नहीं

किसान, पत्रकार और दूसरे संगठनों को भी धरने का अधिकार

कोर्ट ने तय समय और व्यवस्था बनाने की बात कही



यूनिक समय, नई दिल्ली। नई दिल्ली में अक्टूबर में हुए प्रदर्शनों से जुड़ी याचिकाओं पर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि कोई भी प्रदर्शनकारी लगातार किसी एक जगह पर कब्जा नहीं कर सकता। किसान, पत्रकार और दूसरे संगठनों को भी अपनी मांगों के लिए विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार है। इसलिए प्रदर्शन के लिए समय सीमा और उचित व्यवस्था तय होनी चाहिए। सीजेआई ने कहा कि विरोध करने का अधिकार और व्यापार करने का अधिकार, दोनों महत्वपूर्ण हैं। प्रदर्शन के लिए ऐसी जगह निर्धारित होनी चाहिए, जहां आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी और कारोबार प्रभावित न हो। इस पर कोर्ट ने कहा कि सभी संबंधित संगठनों को भी मामले में शामिल किया जाए और उनका पक्ष सुना जाए। दरअसल, 10 अक्टूबर को दिल्ली में हुए प्रदर्शन के दौरान 7 हजार से ज्यादा लोगों को हिरासत में लेने का आरोप है। याचिकाओं में पुलिस कार्रवाई, पत्रकारों और वकीलों के साथ कथित मारपीट, इंटरनेट बंद करने, मेट्रो सेवाएं रोकने और सार्वजनिक रास्तों पर आवाजाही बाधित करने जैसे मुद्दे उठाए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 15 अक्टूबर को केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज और डिजिटल सबूत सुरक्षित रखने का निर्देश दिया था। कोर्ट इस मामले में आठ अलग–अलग मुद्दों पर सुनवाई कर रहा है। इनमें जंतर–मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति, धारा 163 के तहत पाबंदियां, प्रदर्शनकारियों की हिरासत और मेट्रो–ट्रेन सेवाएं बंद करने जैसे मामले शामिल हैं। इससे पहले 11 अक्टूबर को कोर्ट ने शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को गैरकानूनी तरीके से हिरासत में नहीं लेने और मेट्रो, ट्रेन तथा इंटरनेट सेवाएं सामान्य रखने की बात कही थी। अब कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि प्रदर्शन के अधिकार के साथ आम जनता और कारोबारियों के हितों का भी ध्यान रखना जरूरी है।

नेपाल में दो हेलिकॉप्टर टकराए भारतीय पर्यटक की मौत

लैंडिंग के दौरान हुआ हादसा

न्यूजीलैंड का नागरिक और दोनों पायलट घायल



यूनिक समय, नई दिल्ली। नेपाल के एवरेस्ट क्षेत्र में मंगलवार सुबह लैंडिंग के दौरान दो हेलिकॉप्टर आपस में टकरा गए। इस दर्दनाक हादसे में एक भारतीय पर्यटक की मौत हो गई, जबकि न्यूजीलैंड का भारतीय मूल का नागरिक और दोनों हेलिकॉप्टरों के पायलट घायल हो गए। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, दोनों हेलिकॉप्टरों के रोटर ब्लेड आपस में टकराए थे। यह हादसा सुबह 8:11 बजे सोलुखुम्बु जिले के फेरीचे हेलीपैड पर हुआ। फिशटेल एयर और एयर डायनेस्टी के हेलिकॉप्टर अलग–अलग दिशाओं से आकर एक ही हेलीपैड पर उतरने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान दोनों के बीच टक्कर हो गई। हादसे में फिशटेल एयर के हेलिकॉप्टर में सवार भारतीय पर्यटक वसंत कुमार बालारामारामाडु की जान चली गई। वहीं, न्यूजीलैंड के नागरिक शैलेश कृष्ण पटेल घायल हो गए। उन्हें रेस्क्यू कर काठमांडू के मेडिसिटी अस्पताल पहुंचाया गया। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, हेलीपैड पर बर्फ जमी होने के कारण भी लैंडिंग में परेशानी आई हो सकती है। हालांकि, हादसे की असली वजह अभी स्पष्ट नहीं हुई है और जांच जारी है। फेरीचे हेलीपैड समुद्र तल से करीब 4,371 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। नेपाल के पहाड़ी इलाकों में बदलता मौसम, कम दृश्यता, ऊंचाई और जोखिम भरे लैंडिंग स्थल विमान हादसों की प्रमुख वजह माने जाते हैं। गौरतलब है कि 30 अक्टूबर को उत्तराखंड के चमोली में हेलिकॉप्टर क्रैश में छह लोगों की मौत हुई थी।

सहारा रेगिस्तान में मिला 4.1 अरब साल पुराना मंगल ग्रह का पत्थर



800 ग्राम के गुलाबी उल्कापिंड में मिले पानी के निशान

नासा की रिसर्च में हुई पुष्टि

यूनिक समय, नई दिल्ली। सहारा रेगिस्तान में मिला करीब 800 ग्राम का गुलाबी रंग का पत्थर मंगल ग्रह का निकला है। साल 2022 में माली के तेघाजा नमक मैदान में मिले इस पत्थर की पहचान वैज्ञानिकों ने 'तेघाजा 001' के रूप में की है। नासा की मदद से हुई रिसर्च में पुष्टि हुई कि यह चट्टान 4.1 अरब साल से भी ज्यादा पुरानी है।

इसमें ऐसे खनिज मिले हैं, जो बताते हैं कि मंगल ग्रह की शुरुआती चट्टानों का संपर्क कभी पानी से हुआ था। वैज्ञानिकों ने पत्थर में मौजूद ऑक्सीजन आइसोटोप की जांच की, जिसका अनुपात मंगल की चट्टानों से मेल खाता मिला। इसके अलावा जिरकॉन क्रिस्टल की मदद से इसकी उम्र का पता लगाया गया।

रिसर्च के मुताबिक, मंगल पर किसी बड़े अंतरिक्षीय पिंड के टकराने से चट्टान का टुकड़ा अंतरिक्ष में पहुंचा और बाद में धरती पर गिरा। इस खोज से वैज्ञानिकों को मंगल के शुरुआती वातावरण को समझने में मदद मिलेगी।

हालांकि, पानी के संकेत मिलने का मतलब वहां जीवन होने की पुष्टि नहीं है। वैज्ञानिकों ने इसके संभावित स्त्रोत के रूप में मंगल पर 13 जगहों की पहचान की है।

अमेरिका का ईरान पर फिर हमला, केशम द्वीप पर धमाके



होर्मुज स्ट्रेट में ईरानी ठिकानों को बनाया निशाना

कई विस्फोटों की पुष्टि, मिडिल ईस्ट में बढ़ा युद्ध का खतरा

यूनिक समय, नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। मंगलवार सुबह अमेरिका ने ईरान पर नए हमले शुरू कर दिए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिकी सेना ने होर्मुज स्ट्रेट में स्थित ईरान के केशम द्वीप को निशाना बनाया, जहां कई धमाकों की आवाज सुनाई दी। ईरान की सरकारी मीडिया ने भी द्वीप पर कई विस्फोट होने की पुष्टि की है। एसोसिएटेड प्रेस (एपी) की रिपोर्ट के अनुसार, एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट में कुछ ईरानी ठिकानों पर रक्षात्मक हमले किए हैं। यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब अमेरिका में मंगलवार को मध्यावधि चुनाव के लिए मतदान हो रहा है। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप संकेत दे चुके थे कि ईरान पर दोबारा सैन्य कार्रवाई का विकल्प खुला है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू भी ट्रंप पर ईरान के खिलाफ बड़े हमले का दबाव बना रहे थे। अमेरिका ने पश्चिम एशिया के अपने सहयोगी देशों को संभावित हमलों और ईरान की जवाबी कार्रवाई के लिए तैयार रहने को कहा था। वहीं, क्षेत्र के कई देश नए हमलों के विरोध में हैं। उन्हें डर है कि इससे पूरा मिडिल ईस्ट युद्ध की चपेट में आ सकता है।

होर्मुज स्ट्रेट में भारतीय जहाज पर हमला, एक नाविक की मौत

14 भारतीय थे सवार 13 को ओमान कोस्ट गार्ड ने बचाया

विदेश मंत्रालय ने हमले रोकने की मांग की



यूनिक समय, नई दिल्ली। ओमान के पास होर्मुज स्ट्रेट में 2 नवंबर को एक भारतीय जहाज पर हमला हुआ। इस घटना में गुजरात के एक नाविक की मौत हो गई, जबकि जहाज पर सवार अन्य 13 भारतीयों को ओमान के कोस्ट गार्ड ने सुरक्षित बचा लिया। मृतक की पहचान गांधार नाहीम अजीज के रूप में हुई है। जहाज का नाम एमएसवी अल जुसुफी बताया गया है। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि हमला किसने और किस वजह से किया। घटना के बाद भारतीय विदेश मंत्रालय ने व्यापारिक जहाजों पर हो रहे हमलों को लेकर गंभीर चिंता जताई। मंत्रालय ने कहा कि व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाना तुरंत बंद होना चाहिए और अंतरराष्ट्रीय समुद्री रास्तों पर कारोबार तथा जहाजों की आवाजाही बिना रुकावट जारी रहनी चाहिए। इससे पहले 29 अक्टूबर को भी भारतीय क्रू सदस्यों वाले तेल टैंकर एमटी लुईस 1 पर हमला हुआ था। जहाज पर 27 भारतीय सवार थे। हमलावरों ने विस्फोटक लगाकर धमाका किया था, जिससे इंजन रूम में आग लग गई। हालांकि, क्रू ने आग पर काबू पा लिया और सभी भारतीय सुरक्षित रहे। इंटरनेशनल मैरीटाइम ऑर्गनाइजेशन के मुताबिक, 28 फरवरी से 30 अक्टूबर तक फारस की खाड़ी, होर्मुज और ओमान की खाड़ी में 122 जहाजों पर हमले हुए हैं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर भी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस मुद्दे को उठा चुके हैं।

दिल्ली के एसीपी मनस्वी वशिष्ठ सस्पेंड, प्रदर्शन के बाद कार्रवाई

वकील से विवाद के बाद हुआ था ट्रांसफर

बहाली की मांग को लेकर 150 पुलिसकर्मी हेडक्वार्टर के बाहर जुटे थे



यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ पुलिस (एसीपी) मनस्वी वशिष्ठ को सस्पेंड कर दिया गया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, यह कार्रवाई सोमवार को पुलिस हेडक्वार्टर के बाहर हुए प्रदर्शन के बाद की गई। करीब 150 पुलिसकर्मी एसीपी मनस्वी वशिष्ठ और थाना प्रभारी अरुण कुमार के ट्रांसफर का विरोध करने पहुंचे थे। प्रदर्शन का नेतृत्व मनस्वी वशिष्ठ ने किया था। पुलिसकर्मियों की मांग थी कि दोनों अधिकारियों का ट्रांसफर रद्द कर उन्हें पुरानी पोस्टिंग पर वापस भेजा जाए। दरअसल, एसीपी मनस्वी वशिष्ठ गांधी नगर सब–डिवीजन में तैनात थे, जबकि इंस्पेक्टर अरुण कुमार शाहदरा थाने के प्रभारी थे। 23 अक्टूबर को शाहदरा थाने में वकील ललित बंसल के साथ विवाद के बाद दोनों का ट्रांसफर कर दिया गया था। इस झड़प में वकील के सिर पर गंभीर चोट आई थी। इसके बाद जिला अदालत के वकीलों ने दोनों अधिकारियों पर दुर्व्यवहार और धमकी देने के आरोप लगाते हुए अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी थी।

ट्रांसफर के बाद 28 अक्टूबर को वकीलों ने हड़ताल वापस ले ली थी। वहीं, पुलिस अधिकारियों के समर्थन में सोमवार को व्हाट्सऐप ग्रुपों के जरिए पुलिसकर्मियों को प्रदर्शन के लिए बुलाया गया था। अधिकारियों के समझाने के बावजूद प्रदर्शनकारी अपनी मांग पर अड़े रहे। बाद में उन्होंने पुलिस कमिश्नर अनुराग कुमार से मुलाकात की। इस बीच, दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को एसीपी के कथित धमकी भरे बयानों पर स्वतः संज्ञान लेने से इनकार कर दिया। वकीलों ने आरोप लगाया था कि उन्होंने वकीलों के लिए 'एके–47' और 'काले कोट के गुंडे' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया। कोर्ट ने कहा कि पहले इस मामले में औपचारिक याचिका दाखिल की जाए।

दिल्ली में खुलेआम बिक रहे पटाखे

दीवाली पर सिर्फ ग्रीन पटाखों की बिक्री और इस्तेमाल की अनुमति



यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली में प्रतिबंध के बावजूद बाजारों में पटाखों की खुलेआम बिक्री की खबरों पर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई है। मंगलवार को जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की बेंच ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी को आदेश के उल्लंघन की जांच करने को कहा। कोर्ट ने हिन्दुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें दिल्ली के कई बाजारों में पारंपरिक पटाखे बिकने का दावा किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, चांदनी चौक, सदर बाजार, शास्त्री नगर, सरोजिनी नगर और न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में पटाखे बेचे जा रहे हैं। कई दुकानदार ग्रीन पटाखों के नाम पर सामान्य पटाखे बेच रहे हैं। कुछ पैकेट पर दफकोड भी नहीं मिले। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में 4 से 6 नवंबर तक केवल प्रमाणित ग्रीन पटाखों की बिक्री की अनुमति दी है। वहीं, 7 और 8 नवंबर को सुबह 6 से 7 बजे और रात 8 से 10 बजे तक ही पटाखे जलाए जा सकेंगे। कोर्ट ने 9 नवंबर से पटाखों पर पूरी तरह प्रतिबंध लागू करने का निर्देश दिया है। ग्रीन पटाखों को सामान्य पटाखों के मुकाबले कम प्रदूषण फैलाने वाला माना जाता है। यह फैसला दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण को देखते हुए लिया गया है।

यातायात माह में ट्रैफिक पुलिस को दिखानी होगी सख्ती

बिना हेलमेट, तीन सवारी और नो पार्किंग में खड़े वाहनों पर कार्रवाई की जरूरत

चौराहों पर रोज लग रहा जाम





मंगलवार को बिना हेलमेट और तीन सवारी बैठाकर फर्राटा भरते दोपहिया चालक।

यूनिक समय, मथुरा। यातायात माह शुरू हो चुका है, लेकिन सड़कों पर यातायात नियमों की धज्जियां उड़ती नजर आ रही हैं। दोपहिया वाहनों पर तीन सवारियां बैठाकर लोग बेखौफ फर्राटा भर रहे हैं। हेलमेट पहनने की अनिवार्यता भी नजरअंदाज की जा रही है। चौराहों पर तैनात ट्रैफिक पुलिसकर्मियों के सामने से नियम तोड़ते वाहन गुजर रहे हैं, लेकिन कार्रवाई होती नजर नहीं आती।

शहर के व्यस्त बाजारों और प्रमुख मार्गों पर यातायात की समस्या आम बनी हुई है। होलीगेट, भरतपुर गेट, नया बस स्टैंड, भूतेश्वर चौराहा और कृष्णानगर जैसे क्षेत्रों में सड़क किनारे बेतरतीब खड़े वाहन जाम की वजह बनते हैं। बाजारों में खरीदारी के लिए आने वाले लोग सड़क पर ही वाहन खड़े कर देते हैं। इससे सड़क संकरी हो जाती है और राहगीरों के साथ दूसरे वाहन चालकों को भी परेशानी उठानी पड़ती है। कई स्थानों पर ई-रिक्शा और ऑटो चालक सवारी बैठाने के लिए बीच सड़क पर ही वाहन रोक देते हैं, जिससे पीछे वाहनों की कतार लग जाती है।

यातायात माह में पुलिस नियम तोड़ने वालों के खिलाफ अभियान चलाती है, लेकिन सड़कों पर हालात देखकर कार्रवाई की प्रभावशीलता पर सवाल उठते हैं। बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने पर एक हजार रुपये का जुर्माना है। तीन सवारी बैठाकर चलने पर भी कार्रवाई का प्रावधान है, इसके बावजूद नियमों का उल्लंघन जारी है।

वाहन चालक बिना संकेत दिए अचानक मोड़ काटते हैं या बीच सड़क पर वाहन रोक देते हैं। इससे पीछे चल रहे वाहनों के टकराने का खतरा बना रहता है।

नो पार्किंग में खड़े वाहनों को हटाने के लिए क्रेन का भी प्रभावी इस्तेमाल जरूरी है। यदि चौराहों और प्रमुख मार्गों पर तैनात ट्रैफिक पुलिसकर्मी नियम तोड़ने वालों पर नियमित निगरानी रखें और चालान के साथ जरूरी कार्रवाई करें तो जाम और दुर्घटनाओं की आशंका कम हो सकती है।

देर रात तक ठेकों से बिक रही शराब आबकारी विभाग पर उठे सवाल

बंद होने का समय रात दस बजे

पुराने बस अड्डे और हाईवे पर चोरी-छिपे बिक्री का आरोप



यूनिक समय, मथुरा। दीपावली नजदीक आते ही शराब की दुकानों पर देर रात तक बिक्री की शिकायतें सामने आने लगी हैं। नियमों के मुताबिक, शराब ठेकों को रात दस बजे तक बंद होना चाहिए, लेकिन आरोप है कि शहर से लेकर हाईवे तक कुछ दुकानों पर इसके बाद भी चोरी-छिपे शराब बेची जा रही है। ग्राहकों से निर्धारित कीमत से अधिक वसूली किए जाने की शिकायतें भी हैं।

पुराने बस अड्डे के समीप स्थित देशी शराब के ठेके पर रात दस बजे के बाद भी बिक्री होने का आरोप लगाया गया है।

नाम न छापने की शर्त पर एक ग्राहक ने बताया कि देर रात जरूरत पड़ने पर यहां शराब मिल जाती है, लेकिन इसके लिए सेल्समैन को अतिरिक्त पैसे देने पड़ते हैं। हाईवे स्थित कुछ ठेकों पर भी इसी तरह देर रात बिक्री किए जाने की शिकायत है।

ओवररेटिंग के मामलों में भी आबकारी विभाग की कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं। कोसीकलां के बठैन मोड़ पर विभाग ने ग्राहक बनकर शराब खरीदी थी और निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली मिलने पर संबंधित दुकान पर 75 हजार रुपये का जुर्माना लगाया था। वहीं, कृष्णानगर स्थित ठेके पर 90 रुपये का पव्वा 120 रुपये में बेचने की शिकायत पर ग्राहक ने हंगामा किया था।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि आबकारी विभाग शिकायत मिलने पर ही कार्रवाई करता है। नियमित निगरानी के अभाव में ठेकों पर मनमानी जारी है। देर रात बिक्री और ओवररेटिंग के आरोपों की जांच कर प्रभावी कार्रवाई की जरूरत है। आबकारी अधिकारी उपेंद्र सिंह का कहना है कि शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। आबकारी निरीक्षकों को इस तरह के मामलों को तुरंत देखने के आदेश दिए गए हैं।

सौ सैय्या अस्पताल में गंदगी से मरीज बेहाल, बेडों से चादरें गायब

सीढ़ियों पर थूकने और जगह जगह कूड़ा जमा होने से बिगड़े हालात



सौ सैय्या अस्पताल में सफाई की तस्वीर दिखाते दाग।

यूनिक समय, वृंदावन। सौ सैय्या अस्पताल में सफाई व्यवस्था की बदहाली मरीजों और तीमारदारों के लिए मुसीबत बनी हुई है। अस्पताल परिसर में जगह-जगह गंदगी फैली है तो मरीजों के बेड से चादरें तक गायब हैं। स्वास्थ्य सेवाओं के इस प्रमुख केंद्र में अव्यवस्थाओं ने अस्पताल प्रबंधन की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अस्पताल की सीढ़ियों के आसपास गंदगी का अंबार लगा है। लोगों के थूकने से सीढ़ियों की दीवारें और आसपास का परिसर गंदा हो रहा है। कई स्थानों पर कूड़ा भी जमा दिखाई देता है। इलाज कराने आने वाले मरीजों और उनके तीमारदारों को इसी गंदगी के बीच समय बिताना पड़ रहा है।

वहीं, बेडों पर चादरें उपलब्ध नहीं होने से मरीजों को परेशानी उठानी पड़ रही है। अस्पताल में प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में साफ-सफाई और स्वच्छ बिस्तरों की व्यवस्था बेहद जरूरी है। गंदगी के कारण संक्रमण फैलने का खतरा भी बना रहता है। अस्पताल में नियमित सफाई, बेडों पर साफ चादरों की उपलब्धता और परिसर में थूकने पर रोक लगाने की जरूरत है।

खाद्य विभाग का छापा, 350 किलो पनीर नष्ट

शेरगढ़ के नारायणगढ़ में विभाग की छापेमारी, 3000 लीटर दूध भी कराया नष्ट

यूनिक समय, मथुरा। जिले में मिलावटी पनीर के निर्माण पर अंकुश लगाने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने मंगलवार को शेरगढ़ थाना क्षेत्र के गांव नारायणगढ़ में छापेमारी की। तस्लीम पुत्र अयूब की पनीर निर्माण इकाई पर स्किम्ड मिल्क पाउडर, रिफाइंड पामोलीन तेल और विभिन्न केमिकल का इस्तेमाल कर पनीर बनाया जा रहा था। मौके से 350 किलो दूषित पनीर और 3000 लीटर दूध नष्ट कराया गया। इनकी कुल कीमत 2.67 लाख रुपये आंकी गई है।

खाद्य विभाग की टीम ने छापेमारी के दौरान पनीर निर्माण में इस्तेमाल की जा रही सामग्री के नमूने एकत्रित किए।

इनमें पनीर, दूध, 75 किलो स्किम्ड मिल्क पाउडर, 60 किलो सोयाबीन दाल, 225 किलो पामोलीन तेल, 1200 ग्राम पापड़ी (सोडियम हाइड्रोसल्फाइट) और 500 ग्राम रानिपाल केमिकल शामिल हैं। सभी नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जा रहा है।

सहायक आयुक्त खाद्य डॉ. जतिन कुमार सिंह ने बताया कि मौके पर पनीर निर्माण में खाद्य पदार्थों के साथ व्हाइटनिंग एजेंट और अन्य रसायनों का इस्तेमाल किए जाने की जानकारी सामने आई। टीम ने अन्य सामग्री को सीज कर दिया है।

खाद्य कारोबारकर्ता के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराने की कार्रवाई भी की जा रही है। प्रयोगशाला की जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

श्रीकृष्ण पर अमर्यादित टिप्पणी क्षमा योग्य नहीं : महेश पाठक

धीरेन्द्र शास्त्री के बयान पर माथुर चतुर्वेद परिषद और तीर्थ पुरोहित महासभा में आक्रोश

देशभर में विरोध और बहिष्कार का ऐलान, कथावाचकों से वाणी पर संयम रखने की अपील



धीरेन्द्र शास्त्री के बयान पर आक्रोश जताते माथुर चतुर्वेद परिषद के संरक्षक महेश पाठक, राकेश तिवारी और अन्य पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। बागेश्वर धाम के महंत धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री की भगवान श्रीकृष्ण के प्रति कथित अमर्यादित टिप्पणी को लेकर धार्मिक संगठनों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। श्री माथुर चतुर्वेद परिषद और अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा ने बयान पर कड़ी नाराजगी जताते हुए देशभर में विरोध और बहिष्कार का ऐलान किया है।

श्री माथुर चतुर्वेद परिषद के मुख्य संरक्षक-अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा के संरक्षक महेश चतुर्वेदी पाठक ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के प्रति अमर्यादित टिप्पणी किसी भी स्थिति में क्षमा योग्य नहीं है। श्रीकृष्ण किसी एक समाज या क्षेत्र के आराध्य नही, बल्कि संपूर्ण सनातन संस्कृति के आधार और करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र हैं।

उन्होंने कहा कि धार्मिक मंच लोकप्रियता हासिल करने या तालियां बटोरने का माध्यम नहीं होना चाहिए। कथावाचकों के एक-एक शब्द का लाखों लोगों पर प्रभाव पड़ता है। इसलिए उन्हें कथा के दौरान शास्त्रों के ज्ञान, भाषा की मर्यादा और धार्मिक परंपराओं का ध्यान रखना चाहिए। कथावाचक अपनी वाणी पर संयम रखें। पाठक ने मुरारी बापू और प्रदीप मिश्रा से जुड़े पूर्व विवादों का उल्लेख करते हुए कहा कि धर्माचार्यों को ऐसे मामलों से सीख लेनी चाहिए। उन्होंने घोषणा की कि अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा की ओर से धीरेन्द्र शास्त्री का देशभर में विरोध किया जाएगा। इस दौरान परिषद के संरक्षक राकेश तिवारी एडवोकेट, नवीन नागर, कमल मोला, नीरज चतुर्वेदी, संजय मंत्री, अनिल चतुर्वेदी, हरदेव और सचिन सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। संचालन परिषद के महामंत्री संजय चतुर्वेदी ने किया।

विभीषण शरणागति और लक्ष्मण शक्ति लीला ने भावुक किए दर्शक

राम-रावण युद्ध में मेघनाद के शक्ति प्रहार का मार्मिक मंचन



दीप प्रज्वलित करके रामलीला का शुभारंभ करते नगर आयुक्त ओजस्वी राज आदि।

यूनिक समय, वृंदावन। रामलीला कमेटी के तत्वावधान में रंगजी के बड़ा बगीचा में चल रहे रामलीला महोत्सव के ग्यारहवें दिन सोमवार को विभीषण शरणागति और लक्ष्मण शक्ति लीला का भावपूर्ण मंचन किया गया। प्रसंगों ने दर्शकों को भक्ति, समर्पण और भ्रातृप्रेम के भाव से जोड़ दिया। लीला का शुभारंभ राम दरबार के विधिवत पूजन-अर्चन के साथ हुआ। मंचन में दिखाया गया कि रावण द्वारा अपमानित कर लंका से निकाले जाने के बाद विभीषण प्रभु श्रीराम की शरण में पहुंचते हैं। भगवान राम उन्हें शरण देकर अपनाते हैं। इस प्रसंग ने श्रद्धालुओं को शरणागत की रक्षा का संदेश दिया। इसके बाद समुद्र पार करने के लिए भगवान राम की समुद्रराज से प्रार्थना, लक्ष्मण जी का क्रोधित होना और रामेश्वर स्थापना की लीला का मंचन हुआ। मेघनाद के शक्ति प्रहार से लक्ष्मण जी मूर्छित हो गए। लक्ष्मण जी की अचेत अवस्था और हनुमान जी के विलाप का दृश्य इतना मार्मिक रहा कि दर्शकों की आंखें नम हो गईं। इससे पूर्व महंत लाड़ली शरण, नगर आयुक्त ओजस्वी राज, उपसभापति मुकेश सारस्वत, पार्षद राधाकृष्ण पाठक, तिलकवीर सिंह, गिरीश भारती, भारत यादव, मधु शर्मा और गोविंद अग्रवाल मुकुट वाले ने श्रीराम दरबार-रामलीला के स्वरूपों का पूजन किया।

मनमोहक श्रृंगार आरती के दर्शन को उमड़े श्रद्धालु

यूनिक समय, वृंदावन। मंगलवार को ठाकुर बांके बिहारी के नयनाभिराम श्रृंगार और आरती के दर्शन कर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। सुबह से ही दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ने लगी। मंदिर परिसर से लेकर आसपास के मार्गों तक श्रद्धालुओं की चहल-पहल बनी रही। दूर-दराज से आए भक्त अपने आराध्य की एक झलक पाने को आतुर नजर आए। प्रातःकालीन श्रृंगार में ठाकुर बांके बिहारी श्वेत वस्त्रों और आकर्षक आभूषणों से सुसज्जित होकर भक्तों को दर्शन देते नजर आए। पीले पुष्पों की सुंदर माला और मस्तक पर सुशोभित स्वर्ण चंद्रिका ने ठाकुरजी के दिव्य स्वरूप की छटा को और निखार दिया। इस अलौकिक छवि को निहारकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। श्रृंगार आरती के दौरान मंदिर परिसर जय श्रीराधे और बांके बिहारी लाल के जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने हाथ जोड़कर आराध्य के समक्ष शीश नवाया और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। सुबह से लगातार भक्तों का मंदिर पहुंचना जारी रहा।